যজুবের্বদ-সংহিতা।

[শুক্লযজুবের্বন — বাজসনেয়িসংছিতা।]

ষড় বিংশোহখ্যায়ঃ।

প্ৰথমা কতিক। ।

পরিশ্চ পৃথিবী চ লংমতে তে যে লংনযভাষলো বারুশচান্তরিকং চ লংমতে

। । ।

তে যে লংনযভাষণ আণিতাশ্চ ভৌশ্চ লংমতে তে যে

। । । । ।

লংনযভাষণ আলশ্চ বল্লণ্ড লংমতে তে যে লংগভাষণঃ।

। । । । । । । । ।

লঙ লাংন্যভাষণ আইমী ভূতলাখনী লকাম্বাহ । অধ্যনপুদ্ধ লংজ্ঞামমত মেহমুমা । ১ ॥

उत्तर (चलावका कर्माभीवानिक्षण प्रत्यावानिका क्षाण विद्यानिका विद्यानिका क्षाण कर्मा विद्यानिका क्षाण कर्मा क्षाण कर्मा क्षाण कर्मा कर्माण कर्मा कर्माण कर्म



जानक्रणाम ' अविकः जिन्निर्यो (जानाम नजरक। जाका विनेति एक जिन्निर्यो ८म मनाचाः जम्कर मञ्जयकार मञ्चलकार यमवर्तिमः क्ष्मकामिकार्यः। जम देखि भूक्षपारवर्ताम् विकोत्रायः क्षामार। 'एक्साक्ष्यवा' (मा० ०१८:>>१) देखि मरमाईवाक्सवाद 'বেরনিটি' (পা॰ ৬।৪।৫১) ইভি বিচো লোপঃ লয়খভামিভাতা। मध्यम् (याषार। बाह्यसिक्यः हे नत्त्र एक ममोमूकर नज्ञमग्रकार। चालिकाः (चीन्ह नर्ष (छ म॰। चान्क वक्रमक नर्ष (छ म॰। প्रमामानः क्षक्रां। एक यामिनः येगा क्य गढ गरमकः माममानि व्यविद्यानानि व्यक्तिमानि व्यक्तिमानिकोष्ठाताकासूरक्रणाचानि ख्ळाडेनो कुछनावमी मृथी। कुछानि नावप्रकि উৎপावप्रकि कुछनावमी। कृतिः विमा क्षित्रकाषार। अष्ठः नक्षाविधामकृत्रक्षमश्वामा मार्गान् नकामान कूके। यर्षु मार्शियु मन्ना भयारक कवाचाकर कामकाशिक्षकार्यः। किक त्य ममामूना त्ववक्षकाकिना नरकामर नम्छ काममच हेर्डन यम क्षीजित्र । विकामाना द्वाहारक। येगा क्य नद्धे भरमणः भक्षे वृद्धी खत्राणि मरमा वृद्धि कि मक्षायखनामि अहेगी कृष्ठमायमी कृष्ठानि मायप्रकि यनीक द्वावीकि कृष्णामनी वाकृष पर त्नार्याकमध्येमः नकामान् कूका अमूनी नह देन मरक्षानर मक्काम । (२७० - ५ क) ।

ৰিভীয়া কলিকা।

वेटबेबोर बांहर कनानिभागमानि कट्नकाः।

বৈশ্বাজভাতাতি: পূঁলার চার্বার চ খার চারণার চ ।

्र खिट्या देवनामार पिक्नादेव पाष्ट्रिक क्यानमंत्रः

(मे काम: ममुद्धाकार्यू भारमा सम्बु । २ ।

देवार कमानीमकूरवनकतीर वाहमहर वंशा वकः आवशामि नर्काणा वनीमि वीमकारे कुकाकाभिकि नर्करका। वह वि। टक्लाक्षमारं। अभैवाक्काका। अभिवाद वाक्षमात्र वाक्काव क्षात्रात्र ह मृक्षात्र वर्गात्र देनकात्र चात्राक्षीतात्र करानांत्र नेतात्र। कर्तरमार्थनगरकाक्यः वकः। मासि तुनः बह्या (यम नकः वाक्नक्षत्विकः चक्रिकि या। सिर्धा (पर्गामारे बह्याके यनामविष्कृत (नोत्राक्षिष्ठा। यथि शृत्कात्कवे ज्यानत्कारकार्याः। यत्जार्व्ह खांचाणाणिकाः कनानिर वेष्ठर वणामि छवा करकार्कर दणवामार जिल्ला पृत्रानर । हें जरमादत विक्तिवादेश विक्तिवादाः वाक्रिक लिया क्यांवर । देवना विक्रियाकामण स्त्रि क्षीं इनिकारः। किन दम ममान्न कामा मन्याका नकत्ना करता करता करता करता

े विर्द्धनः । धमश्वाविवाककारमा (म भण्णककामिकार्यः । किक वर्षा मा माणूर्णमणक् । जन गदेकि देवेवायक्षर्थः (मनवकाविद्धाः क्षिणमण्डू । (२७७—५२)।

তৃতীয়া কণ্ডিকা।

সুহম্পতে অভি ষদৰো। অহাদ্যম্ভিভি ক্রতুম্জনেরু।

'यंकीवश्रव्याण अवश्राच जाविनः (पवि विवासः

উপযামগৃহীভোহনি বৃহল্পভয়ে देवय <u>(छ "व्यामिस्</u>रूर्ण्लाडाय चा॥ ७॥

বিনারে । বিভাগ বিষ্ণু গৃৎনন্দ্রী। বৃহন্দতিন্দ্র বাইন্পতাগ্রহণে ছাঃ লোগরারারী বিনিরোগ:। বভাগ নভাগে হে বভাগে বেলানাং পতে পালক, চিত্রং নানাবিধং তৎ দ্রবিশ্বলাক্ত্র বজাতঃ। হে বৃহন্দতে বৃহতাং বেলানাং পতে পালক, চিত্রং নানাবিধং তৎ দ্রবিশ্বলাক্ত্র বজাতঃ। হে বৃহন্দতে বৃহতাং বেলানাং পতে পালক, চিত্রং নানাবিধং তৎ দ্রবিশ্বলাক্ত্র বজাতঃ। ব্যাহার বালাক্তর বিভাগির হালাক্তর ভিলাক্তাগ্রহ। ব্যাহার বালাক্তর বিভাগির বিবিধং লোভতে। ক্রিব্রেলাগাং ধনং বেলীভার্বঃ বিদ্বাহার ক্রিব্রেলাগাং ধনং বেলীভার্বঃ বিদ্বাহার ক্রিব্রেলালাক্তর বিভাগির বিবিধং লোভতে। ক্রিব্রেলালাক্তর বিভাগির বিবিধং লোভতে। ক্রিক্রার বিভালি বিবিধং লোভতে। ক্রিক্রার বিভাগির ক্রিব্রেলালাক্তর বিভাগির বিবিধং লোভতে। ক্রিক্রার বিভালি বিবিধং লোভতে। ক্রিক্রার বিভাগির ক্রিব্রেলালাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিভাগির বিব্রেলাক্তর বিশ্বলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিব্রেলাক্তর বিধ্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিলাক্তর বিদ্রেলাক্তর বিদ্

চতুৰী কভিক।।

हेक रभावतिकामाहि भिवा भाष्य चळकरणा। विषक्तिश्रीविष्टः चूण्यम् ।

তিপদ্ধানগৃহীয়ভাহনীস্রায় ভা গোমত এব তে যোদিরিস্রায় ভা গোমতে । ৪৪

त्य देखावराका नामात्वा). ममान्यिष्ट्र त्यानत्य मरक श्रदेशकरण विमूत्क त्यानमाद्य। जकर क्रकार कर्माणि एक म मक्केक्ट्र रह मक्करका रह देख, रह त्यामम भारता रथनवर क्रवंत्र क्रियण यो विकास यक्ष म त्यामाम्। क्षिष्ट मरक जामादि जानकः। त्यामर



চ পিয়। 'বাচোহতবিতঃ' (পা০ অঅ১০৫) ইতি দীর্ঘ। ফীবুদং গোমং। প্রাথতিঃ স্থতনক্ষতিরতিরতির তির্বাধিতঃ। বিভঙ্কিঃ বিশেষেণ ভবি বঙারতি তে বিভন্ধ তৈঃ। ত 'গো অবপ্রথম' দিবাবিভার্ছান্ শতরি 'ওতঃ শুনি' (পা০ ৭০০৭১) ইড্যোকারলোনঃ । উপ্রামণ গোমতে ইন্দ্রার বাং গুরুবি। গাবরতি এম (ত০। (২৬ল –৪ন))

शक्त्रों क्छिका।

ইন্দারাহি বৃত্তহন্পিকা লোমত- শতক্তে। গোম্ভিগ্র'বৃতিঃ কুভন্। *

তিপৰাৰপূৰীভোগীক্ৰায় বা পোনত এৰ তে বোনিবিজ্ঞায় বা পোনতে। ৫ খ · · ·

मुक्त रिकार क्षि दृद्धका। मक्त द्वक्ता मनी रक्षण मक्द्रक्ता। रि वृत्वका रि विकार क्षित्र विकार क्षित्र विकार कि विकार क

क्छी किका।

विकास देशमानसम्बद्धः (कावियणमंखन्। जक्षाः पर्वभीभट्यः।

छेनवामगृहोरछाहनि देवधामन्नात्र देवव रक स्मिनिटेसवामनात्र का a b a

विद्या देवधानमेताः गृहतारक्ष्वाकाः। जाका भावतो श्राह्माककः। व्याप्तम् स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्था

गस्त्री किल्हा।

বৈখানরভ অনভো ভাল ছালা হি কং ভ্রনানাবভিঞাঃ। ইভো

आर्छ। विश्वभिष्य विकास देवसामाद्वा यकाक प्रार्थान । केनसामग्रेकीरकार्शक

देवचामत्रात्र देववः एक द्यामिदैर्याचात्रात्र चा ॥ १ ॥

जिहे भ क्रमहो। देशान तथ व्यक्त प्रमाण प्रमाण (भाष्ट्र द्वी नम्र क्राम कर्यम। कर मिशिक्ष भाष्ट्र । वि तथा (कार्य क्रिया क्रमहिका कार्य क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रमहिका क्रिया क्रमहिका क्रमहिका व्यक्त क्रिया क्रमहिका क्रमहिका व्यक्त क्रमहिका क्रमहिका व्यक्त क्रमहिका क्

चनेयो किका।

বৈখানরো য উত্তর আ প্রকাত পরাবভঃ। অরিক্সকৃথেন কার্লা।

--
।

।

উপ্যামগুতীভোঙ্কি বৈখানরার জৈব তে বোনিকৈখানরার ভা । ৮ ॥

পারতী। নোচসাক্ষ্রয়েছ্বনার পরাবভঃ দ্রকেশাবৈশানরঃ আ প্রবাভু আগচত্তু। কেন। বালগা বালনভূতেন। উক্থেন ডোনেন 'কাহিছে। বালনানাং ভোমো দুভো ভ্রুং অরা' ইতি শ্রুভাতারে ভোগতা বালনভুমুক্তং। উপত এবত উচ্ছে। (২৬জ—৮ক)।

नश्यी किखका।

व्यक्तिक विकास विकास विकास क्षित्र क्षा अक्षेत्र ।

के प्रमान गृको एक का वर्षा वर्षा अप एक स्मानित श्रद्ध का वर्षा । क



व्यक्तिका नामकी विकित्तिका प्रतिक्षित्तिका । महान नमः विकित्ति नम्मिन्द्रिः व्यक्ति न महान्द्रशः व्यक्तिका न महान्द्रश्चः व्यक्तिका न महान्द्रश्चः व्यक्तिका न महान्द्रश्चः व्यक्तिका वर्षाः विकादिका न महान्द्रश्चः व्यक्तिका वर्षाः वर

मनी किका।

यहा २ । हेट्याः स्वरूकः त्यास्त्रीः मर्गः यक्त्यः। स्व भागागर त्यार्थाः स्वर्धः।

উপবাশগৃহীভোহनि बरक्छात्र देवव एक दानिर्वादक्छात्र छ।। > ।

यर्खात्तवका भावती विविद्यका भूरताक्षक्। हेळा भर्ष स्वश् वक्ष्ठ प्रवाकृ । स्वाक्ष्यका स्वाकृ । स्वाक्ष्यका भावति । स्वाक्ष्यका भावति । स्वाक्ष्यका भावति । स्वाक्ष्यका । स्वाक्षका । स्वाक्ष्यका । स्वाक्ष्यका । स्वाक्ष्यका । स्वाक्ष्यका । स्वाक्ष्यका । स्व

क्षामणी किल्या।

७१ (वा पत्रमृष्टीयस्य यरमार्ग्यमानमञ्ज्ञा ।

व्यक्ति वद्नार म वनरत्रम् (यमन हेस्तर् भी। धर्मनामद्रम् ॥ ३३ ॥

देखरवन्छ। भना वृद्ध्ये स्मार्थात्रकृष्टे पायाव्यक्ति सिवुद्ध्यः। प्याद्धिका स्मार्थ्यकात्रकार्यान् व्याद्धः प्रकारमाः, छित्रक्षः वद्धः गीर्छः प्रक्रिकाव्यक्तित्रं क्षिण्यकात्रः व्याद्धः प्रक्षित्रं व्याद्धः व्यादः व्याद्धः व्यादः व्यादः

स्वयु ८७ चनवा विवनाः एकवृ। वया ६०मरवा मनकारका नारका स्थलः स्वति स्थलि। वर्षेणवास्त्रकोकार्यः। कदवप्रविद्धार स्थाः॥ (२६०५-५२५)॥

षामणी किका ।

वद्मादिकः खन्नदम् नुवनकः विकायरमा। यदिनीयः प्राप्तिप्रवाद्याः छनीत्रस्य ॥ ১২ ॥

আরিবের নার ইব্ বহর্তী। তে উন্নতঃ, আর্থে আরার্থ তেও ব্রব্দার আর্চ পার, স্বর্থদারো গানং ক্রা। তথিকে। বথ বাতিক বাররতি প্রাণমতি ইইনিতি বাররিত। বর্ষেণ্ডার তৃচ্। অতাজং বাররিত বার্হিত বার্হিং 'অভিনারনে অম্বিউনৌ' (পাণ লেভারে) ইতা মুর্জে 'তৃত্বাদিন' (পাণ লেভারে) ইতি ইইনি পরে 'ত্রিকেন্যান্ত? (পাণ লাভ ১৫৪) ইতি চ তৃতো যোগে বার্হিইনিত ক্রণং। তিক পানগানেন প্রভাকস্থিও ক্রেই। কিং। তে বিভাগদার, বিভা কাভিয়ের বস্থ বন্ধ বভ দ বিভাগদ্ধ হৈ আরে, রবিঃ বনং বাজা আরানি চ অথ ভত্তা প্রভাগ উদীরতে উদ্যাহিতি। 'ইর সভে কলেন চ' গট্ বণো বুক্ 'আলভারাণ' (পাণ মানার) ইতালাবেলঃ। তক্ত চুইাছঃ। মহিনীর বণা মভিনী-ক্রাবন্ধ লি বিভা বার প্রথ ভোগার্থং পতিং প্রতি উদ্যাহিতি। একং বংগারং পারপুরণং। রবিঃ অনুনার্তি ইতি বার (২৬ সাল-১২ক.).।

वरशामने किका।

अक्रावु जनानि (फर्क हेटचंडता नितः। अध्यक्षिमान हेम्ब्रिः। ১७॥

অধিবেশতা পারতী ভরমান্ত্রী। কে অধ্যে, মনেছি আগন্ত। উ পাদপ্রণঃ। অঞিক চেতি দংছিভারাসুকারত দীর্মঃ। ইখা ইখসনেন প্রাণারেণ ন ইভরাঃ অভাঃ গিয়ো বাণীঃ। ভতিসক্ষণাঃ তে তব ভত্রবাণি অভ্যাং বহানি। ক্রাঞা আছি, । ক্রিক্স এভিরিক্তিঃ গোট্যঃ:
কর্ত্রাণে বর্ত্তর 'লেট্যেইডাটো' ॥ (১২৯ল-১০ক.) ॥,

व्यूक्षणी किका।

मध्यरकृत्यः स्टब्स् म्याष्ट्रं सः अवार छ. भविभाष्ट्रं यः । ३६ ६

व्यक्षित्वका। वृष्की वर्षनाथा विषयनाथा । अवकाष्ट्रिककाल्याष्ट्रिया विषयेनात्विक वेद्यमार । (र पाक्ष, पछनः पर्कुननिष्णाः कानियानाः एक कर राज्यः विख्या विखात्रम्य । मानाः टिकाणविर्वाकारते द्विवारक क्षेत्र वृद्याकामानिकर त्रक्ष शांका विश्ववन प्रकेशिका द्विष ८७ खुकार क्षेत्र (नार्वाकर बक्कर वर्षाकु श्रकाकु । मार्वाकर खबार श्रकाविकार ह निविधाकु म्रक्ष्य मरवर्भन्न अव । (२७४१-->३४)।

नकाणी किंका।

के अक्षरके मित्री में कि अर्था के सबीमान्। विश्व विद्या के को प्रकेष ३ ३ है।

(लाबरवरणा नामको बरनपुष्टा। नित्रीवार नक्कणमानूनव्यस्त्रं निकटी महीमार नकाहीमार क मरनाम विद्या (मर्थावी (मामः अव्यापक छेद्रभन्नः। व्यान है। क्ना विद्या वृक्षा विद्यान म्द्रा मन्ना वक्कर कंत्रिक्किकि विठाटवाकार्यः । (२०५-)।

(वाष्ट्रणी कश्विका।

উक्ठा टिंड काक्टमसंत्ना विनिमह्त्राविष्य । উक्रच्य भन्ने महि क्षतः ॥ ५७ ॥

लामरणगण्डा जिल्ला भाषका आंध्रजीयगृहीः। ८० लाम. ८७ ७२ अस्टलाव्याजनक्रेशार् बार्डमूर नक्षर (कामरका बार्डम भूका । फेका फेकर नहर बिनि चर्त नर विश्वमामर कृषिः बाबरक गृङ्गाजि। कृतिमञ्च निनर्गेरनार्थ विद्यार्थान्यनः। किर ७९ कारणाक्यः कृतिर्गृङ्गाजि क्यासः। উপ্রযুৎকৃষ্টং দর্শ্ব প্রথং পৃৰপুঞাদিকস্তং মহি মহৎ প্রশঃ की ভির্মাণ বা। আমেন মল্লেণ भकार्काक जिल्लाम के क्या । भ वर्षा क्रकाक किया कि वि वि अव्विक करकार का विश्व का कार्य अवस्था किया किया किया कि **एटा ज्यानब्रद्धां करका मरब दब्धाव्यालन एटा द्यार्थी मदब्रह्मानका कर मदश** थमम्द्रभाष्ट्रांश श्रुविमर कटबाकीकि कावः ॥ (२६व - ३६व)॥

नखम्भी किका।

भ म देखांत्र क्यार्य बक्रवांत्र बक्रवांत्र । वंतिरवंतिवंशित्यव / ५१ /

(६ रिगाम, म ५१ रिमाक्चाकर भविद्यन क्या। भववरिमा कृषाक्किपरमधीकार्यः। कियर्थः। वैद्यात बक्रमात्र बक्रकाफ वेद्याबीमाः कृथता भतिद्यद्यकार्यः। कीयुनारत्रसात्र। वक्रात्य यहुर द्यारमा। यक्षाचेटेच यहेनाम । वेषर त्यामानार वित्यवनः। वक्षाण है छ मक्षणा । कीषुन्बर। वित्रवावित विविद्या विमर विकि कामाकि विकेषि अच्छ वा विविद्यावित 448 mini didam ! (204-2) 1

AMCHA-AL BAN L

मलाकामी किका ।

क्षमा विश्वास्त्र का इन्हामि बाधुवानाम्। नीवानत्वा वमावत्व ॥ ३৮ ॥

ভাষ্যঃ উন্ধান লোমঃ এনা এনানি বিশ্বানি লাকাণি নাক্রানাং লানাং হায়ানি বাননি বানানি বা আনম্বিতি শেবঃ। আনজাং নলাভিতার্থঃ। তানি লোমণভানি হায়ানি বয়ং বনামতে 'বন লভভিন্তব্যাং' লট্। লভভানতে। কীছুলা বয়ং৷ লিবালভঃ 'বলু দানে' লানিভূং বাজুনিভাভি লিবালভি তে লিবালভঃ। লনেভাতে। লয়ভাতত্ত্তাভায়ঃ 'জনলনখনাং লন্দলোঃ (লাভ ভাতাহং) ইভাগেং 'লভভাই' (লাভ বাহাণ্ড) ইভি অভ্যানেকারঃ। দানং ভূকাণা বনভাভঃ ভাবেভার্থঃ। (১৯ল—১৮ক) ৪

क्षकानविश्नी किका।

अञ् वीदेत्रत्र भूकाच शिक्षित्रवर्षत्रक नर्यान भूटेशः।

अक् विनवाक ठलूकाना नम्र (मना को वर्षक्षम् कृता वर्षे ॥ ३৯ ॥

আশীরিনং দেবদেবভা তিছু পুম্পালভুটা। বনং নীরৈঃ পুরুত্ত অন্পুরাত্ম পুটা ভবেষ।
শুবেরাশীলিন্তি উন্তন্মন্ত্রনং। গোভিন্তেরিভিঃ অনুপুরাত্ম উপলগারন্তা ক্রিয়ার্ডিঃ।
অবৈরক্ষ পুরাত্ম। লক্ষেণাফ্রেমাপি কামেম পুরাত্ম। পুটাঃ লক্ষণভার্তির্গ্রান্নিভিঃ
পুরাত্ম। যৌ পালে। বিভেন্তি বিপাধ ভেন বিপলা মন্ত্রেণ লালালিনা চতুপালা গ্রানিনা
চ পুরাত্ম 'পালেহিক্ততরপ্রাং' (পা০ ৪।১।৮) ইতান্তলোপঃ 'পালঃ পথ' (পা০ ৬৪।১৩০)
ইতি পলালেনা। কিক বড়ণী বভারতে কালেকালে দেবা নোহত্মাকং বজাং নার্ভ্ত

विश्नै किका।

व्यक्त नक्षीतिकावक क्षत्रामाम्बक्तीकान । वहातक लामनीकरम् ॥ २०॥

विषयका। नामको (वनकिविष्ट्राः देकः नक नट्ठार्शिटोग्य (महेर्याकाः। वाक्षं काकश्याम (महेठ्यमद्याम याक्षाः। ८४ व्यक्तः (वयामार नक्षाः देक यरक प्रमुनायक वानम्यः। कोकृतिः नक्षीः। केनकोः वर्षाःकायसम्बद्धाः। यरनः सक्ष्याः। केनिकः—" (ना॰ ६।)।। विकि कीस्। किक नामनी अदय नामनामात्र पहेत्वर (वनर द्वानायकः। (१६व—१०वः)।।

. अक्षिश्मी कश्चिमा।

विक विकार क्षेत्रिक त्या बाटवा त्यक्षेत्र निवे बक्रमा। वर्ष्ट वि सम्राग व्यक्ति। इक्षेत्र

বে বাজুবেবতে গারজোঁ বৈধাজিবিষ্টে বাজুবালে দেই বাজে। গাই পালাহিত সভীজি লাবা। 'অধকাজি—' (পা॰ ৫:২৯৪) ইতি বজুপ্। 'বাজুপবালাই—' (পা॰ ৮/২৯) ইভি বজুপ্। 'বাজুপবালাই—' (পা॰ ৮/২৯) ইভি বজুপ্। 'বাজুপবালাই—' (পা॰ ৮/২৯) ইভি বজুপ্। 'বাজুপবালাই বজুপুলি বজুপুলি বজুপুলি বজুপুলি বজুপুলি বজুপুলি বজুপুলি বজুপুলি ক্ষুপ্তি বজুপুলি ক্ষুপ্তি বজুপুলি ক্ষুপ্তি বজুপুলি ব্যাদিভি শেষা। বি বজাৎ বঁং রক্ষ্যা অণি বজুলি ধ্বাভি বজুপাই ব্যাদিভি শেষা। বি বজাৎ বঁং রক্ষ্যা অণি বজুলি ধ্বাভি বজুপাই ব্যাদিভি শেষা। বি বজাৎ বঁং রক্ষ্যা অণি বজুলি ধ্বাভি বজুপাই ব্যাদিভি শেষা। বি বজাৎ বঁং রক্ষ্যা অণি বজানি ধ্বাভি বজুপাই ব্যাদিভি শিল্পি । (২৬ প—২১ ফ) ।

वाविश्ली किका।

अविद्र्यांवाः निनीविक क्रिका क किका मिन्नेक्ष । २३॥

स्वित्र्यम् गारंखा यमवाती। संविद्या यमर प्रेमाण स्विद्यामाः यममाणाविद्यां निर्मीयिक नाष्ट्रविष्ट्य मानेविक मा

खरशाविरणी किका।

क्षेत्रक् लोवचरमध्याद नर्धमर् सम्मा जर्छ गीरि।

जिल्ला विद्या निवका विदियंतर करेल वेल्लिक । २० ।

देश्वरविषयं। सिक्रेन् विश्वानिस्तर्थे। भागानित नगरम तिक्रे व्यवसार गणा। देव देश्वर भेग जाहर स्मारमाद्धि । जावर जानाव जाना जानाविष्ठ वरमवि जानावा । जानावा नगणार मेनी कालावे भागा जानावि महा। देनर स्मानर प्रता 'ना क्षेत्रर 'ताहे। जोन्नार खर्ग क्षेत्रमार स्मानिक विश्वास कालावा कालाव कालावा कालाव कालावा कालाव

्लाबर कंठरब छिन्दत निष्यं थात्रव। 'बि धान्तर्व' क्रूबानिः वाकारत्व चंगः 'खे छक् छ। । (निकान्याकामा नार्वः ॥ (निकान्याकामा ।

क्ट्रिक्शी क्लीका।

च्याप मः चूर्या चा रि गढन मि यशिय महस्मा अविदेश।

ज्या मण्य क्ष्मात्ना ज्यान्यहर्ष्यत्यां क्रिकां निष्टिः अमन्त्रनः ॥ २३ ॥

बहै (वन्छा। जन्छ। ग्रन्यवसृष्टा। छ्छोत्रमन्दम माहे हमनत्रारा याचा। रवन्नात्र खार्थात्स । ज्यामरमः गृश्याहरू । ज्याम चगृश्यित त्याक्षाकः वक्षगृश्यि (ए (प्रवन्त्राः, य प्रमाशक्षम जीशक्ष । शत्भक्ष जर्म जिल्ला मिना मिना मक्ष वह ता हि लाल शूर्व । वर्दि व चार्फ निमम्बन निमीवक छनिमक। 'मम्ल, गारको' तनिहेन 'त्रवं नाम' व्यक्त मुख्यिन १ ब्याजियाक्षातः। भव्रत्मवर वार्खार क्रूकेटकंकार्यः। 'कंक्ष्मभू- '(भा॰ वाजाबद) देखि नर्साख क्षमवादम्बः। कोषु (श्रा वृत्रः। व्यवसाः द्वाकतः श्रक्षात्रा कन काल्यानः वानाः खाः। अयः र्षिन गन्नी ऋक्षाव षष्टोत्रमार । ८२ घडः, सम्यामस्त्र दिन गन्नी पात्रकास्त्र मन व द्यापन स्नारय-खार्षः। कौषुमद्यर। अद्भार अद्धः विम्बिक्शभारः। खूक्यानः विकास । 'खूबी शिखिक (लयनरबाः वाखारधम मानिक मणः ब्राः। व्यक्षमः देखि कर्षानि वश्चा। रवरविकः स्वरेष कंनिकिः (वननंत्रीकिन्त ज्ञमनानः प्रक्रुं माक्ष खराख ज्ञमनः। मरमः किन्। ज्ञमनः नखरे। नना दमसाः खीलनाकं यश्च न जूमनानः। धनम्बीचि धनदम्। मार्थाः । (२६६ - २०कः)।

नक्षिःणी क्षिका।

चाक्छित्रा मिक्छित्रा शयच लाम धात्रत्रा। इत्यात्र नाक्रम

'रमायरमयरका एव भाषरका मनुष्करमामु है क्रमामियू निमिय्रका एव त्मान, वात्रमा अवी भवत गम्ह वसाभविद्यारक्षानकणनः क्षांक शम्ह। कीवृक्षा वांत्रप्ता। चाविर्वप्ता चारवा विकर्ष यकार मा चावरकी व्यक्तावर वावरकी चाविका खन्ना 'विद्याखानू क्' (गा॰ टाअक्ट) हेक्कीर्कान मञ्रु । चाइ छ यहा। मश्री हेश अन्ध्रा मश्री को मश्री को चाहि । चहा । बेर्डिन 'कुतिर्श्वरम् इंट्रिंग (ने ७ ७। ३००) हे कि कुछ। (नाने: । यह है छात्र नार्कर्य विकास भाकर पर प्रश्वाविष्याविष वात्राधियरका वात्रमा भवक । (२७ व---२० म) ।

किल् भी किल्मा

त्रस्माक्ष विषक्षितिकि (सानिमरमाक्षकः। त्यस्य नम्बानम् । २७०॥

লোমঃ জোনে। বিজ্ঞিন্তান্তারঃ। জোনং জোন্ত ভালভান্ত বানিং ভানমভি ভালভং আভিমুখ্যেন দীঘভি ভিড্ডি। কীলুনং লোমঃ। রক্ষোল, মুক্ষাংলি ছন্ত্রীভি রক্ষোলাঃ। ছন্ত্রীভি রক্ষোলাঃ। বিশ্বর্ধনিঃ বিশ্বং সর্বাহ লগেও চাই পঞ্জি বিশ্বং ইলিঃ। দর্মত গুলাভুত্রী। হন্ত্রা চর্মনিরিভি মুক্সুনাম পুলি কিং। বিশ্বে শক্ষো মুক্সা অভিগ্রামনানাক বা হল্পুন্ত নাহরণানির বাঃ। ভাগা কীলুনং ফোনং। ভাগা ক্ষা ভক্ষ্ণা লোমভাজনী কুতং হতমিছিল লোগঃ। ভাগা লোহেন ছন্ত্রমুংকীর্মিং। হ্যাদা ক্ষা ভক্ষ্ণা লোমভাজনী কুতং হতমিছিল বিভজ্জিন্যভারঃ। ভাগা লগেই লাই ভিড্জি গোলা বত্র ল নহন্ত্রণ হাং (পা০ ৩২।৪-) ইভি কপ্রতারঃ। 'আছে। লোগং' (পা০ ৬।৪-৬৪) ইভি আলোগং 'লগমানভুন্নো ভ্রমণি' (পা০ ৬।০৯৬) ইভি নহন্ত লগামেশং। ভালহং 'পুনাছিল' (পা০ ৬।০৯৬) ইভি নহন্ত লগামেশং। ভালহং 'পুনাছিল' (পা০ ৬।১।৫৫) ইভি নৃত্তি

देखि मादान्मिमीमामार नाष्मरनिमिन्दिकामार मक् निर्माद्यामा ॥ २७॥

• ख्रिमनाश्चीभन्नकृटक ८वनमीरण गरमाष्ट्रनः। क्षमञ्जूक्षमञ्जनकाः विक्रिश्टमाष्ट्रमात्र मिनिसः॥ १७०॥

यक्दर्यन-मश्बिज।

---- con *\$10 * 0:5 * con

[अक्रयजूदर्विष — वाजमदनशिमश्हिज।]

मखिरिटलाञ्थाशः।

क्षाया किछा।

णभाषां अष्ठत्य वर्षत्रष्ठ गरवर्गत्रा स्वयं स्वा स्वा नि ज्ञा

मर किट्नान, की किहि द्वाहरमन विश्व। चार्चाह खाकिमण्ड छहा। ১ ॥

खन्नयानः वकि विक्रणादः नवकी श्रवानि वृद्धः। नव सत्वाद्धित्ववकाति द्वृत्वादि स्वीति वृद्धः देष्ठे नाग्यो निर्मामानम्बद्धात् खन्ना खानाः विनिद्धानः। व्यविविद्य क्षीयः वृद्धः देष्ठे नाग्यो निर्मामानम्बद्धात् खन्ना खानाः विक्षित् । व्यविविद्य क्षीयः वृद्धः वृद्धः

बिकीया किला।

न् ८ इक्षाचारक का ह, द्वागरेवनमुद्ध कि महरक लोकशावा

मा छ तिरह्भवस्था (छ व्याह्म स्थापक स्यापक स्थापक स्यापक स्थापक स्

ख्टोबा किला।

चामर्थ युर्गरक खाम्मना देश मिस्ना चार्थ मरनत्रर्थ कना महा

। দপত্ন নে। অভিমাতি বিচ্চ তে গলে ভাগ্ন প্রাত্তন্ ॥ ৩॥

(स व्याप्त हैरग खामानाः विषयः या चार दृन्त १३६ नखरको गांगाम छवा । व्याप्त । दि व्याप्त गर्यम् । व्याप्त विषयः वा व्याप्त । व्याप्त । व्याप्त । व्याप्त विषयः विषय

हर्जुर्थी कश्चिक्। ।

ইতিবাথে অবিধারণ রপিং না বা নিজন্পুর্কচিতো নিজারিণঃ।

আত্তন্ধ অনুন্দ্র ভূতামূপ্রতা বস্তুতাং তে অনিষ্ট্রতঃ। ৪৪

दि चार्त, हेटेरनाचारचन यसमारित्र तितः समर समिनात्र चित्र रिक्टनाचारचन यसमारित्र तितः विकास निकास किन्द्र विकास निकास किन्द्र विकास निकास किन्द्र विकास किन्द्र विन्द्र विकास किन्द्र विकास किन्द्र विकास किन्द्र विकास किन्द्र वि

शक्षी किका।

े । १ व्यादावादा पासुः नश्राक्षक मिरावादा विवादास मकता

मुक्काकागार मधामक्षा अपि म्राक्कामरक विकरमा क्षीविकीव ॥ कः॥

(स्थाः । क्षा विश्व महत्वव महत्वव महाइक्षः । आहाः (वाषाः । क्षा महत्व महाइक्ष सक्षिति । क्षा वाषाः क्षा वाषाः क्षा वाषाः क्षा महत्वव कारा व्या वाषाः क्षा वाषाः क्षा वाषाः वाषाः वाषाः वाषाः क्षा वाषाः वाष

वशी किका।

विष्म विष्म विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष विष्युक्ष

বিশা ক্রেডা সক্তাণালভাত সহবীরাত মুদ্লিং লাঃ ॥ ৬.৪

त्र चात्र, वि निष्ठिष्ठ विश्व विश्वान क्ष्माण इतिछ। इतिछान लालान वर नव्यः व्यक्ति । किर कृषा। निका निव्या निव्या । निश्काद्वर धिशाप्तर व्यक्ति । किर कृषा। निव्य विश्व निव्या । निश्काद्वर धिशाप्तर व्यक्ति । क्ष्माण व्यक्ति । क्ष्माण विश्व व्यक्ति विश्व व्यक्ति । क्ष्माण विश्व व्यक्ति विश्व व्यक्ति विश्व व्यक्ति विश्व विश्व

मखर्भी किल्हा।

ा । जनांबरका जाउंदनेना जनिहेरका निवार्कर के क्वा क्यों कि हो है।

विश्री जानाः क्षमूकमाञ्चर्योक्षितः निरम्कित्रक नितिनाहि त्मा बुर्व । ने ॥

एक खात, इस कर्षिन वर्षमां विषा जाजाः मीविष मन्दाः विषा श्राण्य । कि क्षाण्य । क्षाण्य । जाज्य । जाज्य । जाज्य । जाज्य । जाज्य । जाज्य । विद्राष्ट्र विषय दाज्यामः क्षाण्य । विद्राष्ट्र विषय दाज्यामः क्षाण्य । विद्राष्ट्र विषय दाज्यामः क्षाण्य । कि विषय दाज्यामः क्षाण्य । कि विषय दाज्यामः क्षाण्य । कि विषय वाज्याः मञ्जूष्य क्षाण्य । विद्राष्ट्र विषय द्राण्यामः क्षाण्य । कि विषय वाज्याः मञ्जूष्य क्षाण्य । कि विषय वाज्याः मञ्जूष्य क्षाण्य । विद्राण्य वाज्याः वाज्याः । विद्राण्य वाज्याः । विद्राण्याः । विद्रा

कहेगी किछका।

वृद्न्लाटक मिक्टर्सा गरेप्रमण् मर्भिकः हिरमः छत्राण् मर्भिवानि ।

वर्ष्कदेशनर महत्य भाषा भाषा विष ध्यामस्मानस्य स्पर्धाः ॥ ৮॥

(स युक्निएंड (स निविष्ठ), क्षेत्ररे ययमानर (नामम कर्षाण्डिक कूर्छ। किक् किन्नार्थ। नरिनंडर किर नरिनंडर निक्रिकमिन नर्कमिन्छिकार नरिनंति निक्रम् । नात्नः वनः (भ्रो विद्र क्षिनंत्रमान्यकान्द्रकरः। किक् महत्क (नोक्नाम क्षेत्रमाप्त क्षेत्रम

मन्त्री कि कि न।

व्यक्ष्मावय यवभक्ष युरुम्भारख व्यक्षित्रयुर्कः।

खा क्षित्रं विभा युक्त विभागाना भर्म कियवा मही विः । अ ।

 जिल्लानाविन (जाकानवाविन मुक । (विवास जिल्ला जिल्ला जिल्ला जाकान जामार मुक्तार खाला विवास कि विवास कि

हानपाद्यीत्वयना है कि एन। विषय नाम वास्त्र वाहित्व मुद्देश । जिन्नः क्षेण निहित्व कृति हिन्न क्षेण निहित्व क्षेण कि विषय कि विषय क्षेण कि विषय कि व

वालनी किशिष्ट । अन्म भाव श्रद्धा विचर गर्गा (वर्षा (वर्षम् (वर्षः । गर्था जनकः मन्ना वर्षम् । ১२॥

(करवार्शवः मध्या मधूना मधूरत्र प्रका शरका शरकार्शानमञ्जू। **मध्यकि क्रमका**बह व्यतिष्ठामात्रम्यानममिष्ट्रारकः। नर्षाव्ययकः देखाः 'श्रक्तकासः नाष्यम् (ना ७।)।>>৫) हेकि निकाणांवः। यर्क वस वृक्ष्मसः। (यन मानी वृज्ञाकास्ताः स्वातिकि छ।यः। कीषुष्पा (परः। छन्नभार छन्नाभभार नभार (भोखः। षाखा द्वा वाहास एक एका विन त्रिकाभार (भोखः। ज्यम्तः ज्यमरमञ्च मण्डि स्थानवान्। (त्रा मचर्वः। निष्यस्यमाः मच्चिष्नः) '(नरवर् ष्पि (नवः मोखिमान् (अर्छः ॥ (२१ष-) १

वद्यापनी किल्ना। यकाः नकत्न श्रीनात्ना मत्रमध्या व्या म स्व। श्रकुरम्नः मिका विश्ववादः ॥ ১० ॥

ए **कार्य, यः मध्या याद्या युक्त युक्तः नकान यार्था**वि। नक्किकाशिक्यी। कीषुनदः। श्रीनामः श्रीनीराष्ट्रानी श्रीनामः रमनाम् छर्मप्रमः नतामःमः नदेवसं विग्षि-त्रामाणाटक कृत्रतक मत्रामाणाः । व्यक्तप (माक्रमकाती । त्याः मीखिमान् । मिवहा विषद्भादन भाषकः। विषय जित्रक त्मवाटक विश्ववादः विश्ववादः विश्ववाहि स्वक्षेक्रताकीकि वा कर्षवान् । मर्मा वत्रनीत्रः मर्मामीक्षां वा। (२१व्य- २०क)।

हर्जनी किछक।। काष्ट्राग्रयिक भागा घुटकरम्पारमा विकर्नभणा व्यक्ति क्र

अन्नमध्वर्षाः अथ्वःत्रम् श्राप्तम् वर्षमात्मम् नरम् अधिमक अधि अख्याति । 'अक्षार्षतीस-মিজি আকপুণিঃ' (নিক্ল॰ ৫।২৮)। कोषुनः। अदमा कानवरणन ঈড়ানः 'ইড় ছভৌ শানচ্। ख्या विष्टः वद्यक्त विष्टा विष्टः वक्तिविश्व विष्टः वक्तिविश्व विष्टः। विष्ट क्षेत्रा वृद्धिन सम्मा अद्भन इतिन क्रियाना न निक्षाः क्रिका क्र्यामा मृशेषिक (नयः॥ (२१५- >४०)।

शकानी क खिका।

मिक्सानमर्भाः न केर मखा स्थापनः। यस्टिं किर्का यस्पालमण्ड । ১৫।

লোহধবর্ম প্রায়ে: মহিনানং যক্ষৎ বজড় 'লিকান্তলং লোট' (পা০ ০০১ ০৪) 'লেটোহডাটো' ''ইভন্চ লোলঃ পরবৈশপদের' (পা০ ০৯৪ ৯৭) ইভি স্টের্যাক্ষদিভি রূপং। লঃ ঈশ্ল চ মজা মজালি মলজনকানি ছণীংবি চ যজড় দলাড়। কীদুলভাৱে:। ভুপ্রায়ণ প্রস্ইভালনাম। লোভনানি প্রায়ংলি যক্ত ভুগ্রায়ণ্ড। কীদুলভারে হিনানং বজড়। যো বল্লং বাদরিভা। টেভিঠ: অভিচেভরিভা। বল্লখাভনঃ বস্থাতনঃ বলাগং দাভ্তমঃ বিশ্বান্তন্। (২৭জ—১৫ক)।

सारता (परवाश्चारवर्त्त् जा खंडानि कर्षाणि पपरख धातत्रखि 'पप पान श्रुखो है'। ज्ञ भण्डार विद्या पर्या प्राचित्र ज्ञ विभागर व्या प्राचित्र विद्या प्राचित्र विभाग है। ज्ञ विभागर विद्या प्राचित्र विभाग है। ज्ञ विभाग

সপ্তাদশী কণ্ডিক।। তে সভ যোষণে দিয়ো ন যোল। উযাদালজনা। ইমং বজ্ঞসমভামধ্যরং নঃ। ১৭।

अत-शेक्तुर.र्यंग-मञ्ज i



महीमणी किल्का।

देन गा (ए। छ। ता छ थर्ग मध्य तः भारता र्क छ्य। मिछ ग्री छ । सन् पुष्टः नः विष्टिय ॥ ১৮॥

अन्नर हानिस्ता ह मशाया नातः ए दिन्दा हाती अनिवास, यूनार त्याकर विद्या हिंदि हिंदि हिंदि स्वाद स्वाद क्षेत्र क्षेत्र हैं। किंक त्याक्ष क्षेत्र सक्ष स्वाद सक्ष क्षेत्र सक्ष क्षेत्र सक्ष स्वाद सक्ष क्षेत्र सक्ष क्षेत्र सक्ष स्वाद सक्ष क्षेत्र स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष क्ष स्वाद सक्ष क्षेत्र स्वाद सक्ष क्षेत्र स्वाद सक्ष क्षेत्र स्वाद सक्ष क्षेत्र स्वाद सक्ष स्वाद स्वाद सक्ष स्वाद स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष स्वाद स्वाद स्वाद सक्ष स्वाद स्वाद सक्ष सक्ष स्वाद सक्ष सक्ष स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष सक्ष स्वाद सक्ष स्वाद सक्ष स

क्रकानिवःणी किखका।

खिट्या (मनीर्किहित्यमण् मनखिछ। मन्नच छो छात्रछो। महो ग्नामा अल्या

ভিত্রো দেবাঃ ইদং বহিরাসদন্ত আদীদন্ত। ছালদঃ দীদাদেশান্তাবঃ 'বাসহিতাদ্য' (পাঞ্ ১।৪।৮২) ইভ্যাতা সহ ক্রিয়াণদন্যবদানং। কান্তা অভ আহ। ইড়া পৃশিবীন্থানা দরস্বতীঃ মধ্যস্থানা ভারতী হান্থানা। মহী মহতী গৃশানা শ্বন্তীতি বিশ্বেশবরং ভিত্যাং॥ ১৯॥

विरणी क ! खका।

ভন্নভারী শসন্ত হ'ব পুরুক্ত ভাষ্টা হ'দীর্যাদ্। রারজ্পোবং শিক্সভু নাভিমদে। ২০॥

ছটা দেবং তং প্রশিদ্ধং রায়ে ধনস্ত পোষং পুষ্টিমঙ্গে অসাকং নাভিং প্রক্তি বিশ্বজু বিশ্বজু বিশ্বজু নাভৌ মৃক্তমুংলকে পভতীতি ভাবং। 'যেহস্তকর্মণি' 'ওডঃ শুনি' (পা॰ বাঙাৰ) ইভোকারলোপং। 'শুতিকপস্টো বিষোচনে' ইভি বাস্কঃ। কীলৃশং রামজ্পোবং। নোহস্বাকং ভুরীপং- ভুরা বেগেন আপ্রোভি ভুরীপং শীদ্রপ্রাপকং। অভুতং মহাস্তং পুরুক্তু পুরুষু বহুর ক্রিয়ভি নিবলতি পুরুক্তু 'রপাং স্বলুকু' (পা॰ বাঙাঙ্গে) ইভাগে। লুকু। ক্রিয়ভেরৌণাদিকে। ভুপ্রভায়ঃ। স্বীবাং লাধ্ বীবাং লামর্জ্যাং বেন ভং। উল্লাং বনং ক্রেটাভার্বঃ। (২৭ল – ২০ক)।

अक्षिरणो कि कि न।।

বনস্পতেহ্বস্থা ররাণস্ভা দেসের। অধিহ'বাদ দ্যিত। স্নয়তি। ২০ ৪-

व्यक्तिः व्यक्ति व्यक

वाबिश्नो किछका।

णाः चाद्यं क्रवृत्ति व्याण्टरम हेसाम द्याम्। विष्यामा विविद्याः स्वाम् ॥ २२॥

खर्गाविःणी किका।

। পীণোআরা ররিরণঃ ভুমেধাঃ খেডঃ লিবজি নিষ্তানভিজ্ঞীঃ।

ভে বায়বে পমনলো বিভস্কুবিখেলর: অপভ্যানি চকু:। ২০।

অবৈতং নায়নে নিযুদ্ধতে শুক্রং ভূপরমালভতে ইতি হতত পদো: পীনোজন্না সৃদ্ধির ইত্যান্তা: বই নাজ্যান্তবাক্তা:। যে নায়ুদেনতো বিষ্টু তৌ নলিঠ বৃষ্টে। 'শুক্লো হি আয়ুং' ইতি শ্রুদ্রে: শেতে৷ নায়ুং নালিবুতোহখান নিয়ুদ্রে: দেনতে তে নিযুতঃ দমনদঃ দমসনস্থা: দলো নায়নেহর্গান্ত বিভস্থ নিশেষেণ ভিঠিত। ক্ট্রুণালিয়ুত। পীনোজনা পীনঃ পুইমলং যেবাং ভান। নকারলোপঃ 'প্রকৃত্যান্তঃপালং' (পা০ ৬ ১ ১১৫) ইতি পীবোজনানিভাবে পদ্যাভাবঃ। ভণা রম্নিরণঃ র্মিং ধনং বর্দ্ধিতি ভান। কীলুলঃ খেতঃ। জ্বুদেশা লোভনা মেধা বৃত্তির্যান্ত। নিযুতামহিন্তীঃ আখানামান্তর্নীয়ঃ। এবমখবোগে বায়ুনা ক্রুভে নরে মন্ত্রা ধহিলঃ বিখা ইং বিখানি দর্কান্ত্যেন ব্লভনাপভান প্রোপকানি চক্ত্যুক্তর্মাণীভি শেবঃ। (২৭ল – ২০ক)।

हर्ज्यःन किल्का।

त्रात्त्र स यः कष्ठक् त्राक्नीहम द्वादत्र (क्वी निवन। शक्ति (नवम्।

चान वायूर नियुष्ठः नम्हनः दा উक त्यकर वसूनिको निर्देशक । २८ ॥

हिम (त्रावनी स्नानापृथित्मा वर नाहर खळाष्ट्रः উर्णावद्यामानपूरः स्न क्रिक्टरः। किमर्वरः। त्राद्य बनात्माव क्रमणात्रः। विभव वर्णां व्याप्ति विवर्णा नाक् त्वनी त्वर व्याप्त् वाक वाद्य वाक वाद्य वाक वाद्य वाक व्याप्ति वाद्य विना स्वत्र वाद्य वाच व्याप्ति वाद्य विना स्वत्र वाद्य विना स्वत्र वाद्य वाद्य

वण्डिः नहर्षः (नवर्षः 'यह ् तनर्मः भूक्षवगुष्ठाः । सः। निरत्रक निर्मेषः (त्रकः (त्रहमः (त्रकः मृक्षका गणाय छाष्ट्राया महत्वमाकोर्त हरन। कीषुनर वाह्रः। एवछर एवछ वर्त्रः। ख्या वस्यिष्टिर वस्त्रामा वनक विकिद्धात्र नर यख ७१ वनक वात्रिम्खात्र । (२१ वन - २८क)।

शक्षिणो किष्का।

जारना च यष् छ छो स्विधवात्रन गर्डर नशामा जन्म छो अधिन्।

खाडा (मचानाच नमनर्खं खान्यद्वकः करेच (क्यात वित्यम । २०॥

ष थवानि जिल्ला विक्रेट विज्ञान कि खन्या वाधिका। 'बारना व वा देनमधा लिलिएस्वान' (১১।১।७।১) हेिख खाञ्चन(सक्त्याः क्षिक्त्यार्विनानकृतः तायाः। ह्ळिणिएको। यर यमा भूता व्यापा व्यवानि निषयायम व्याभुः। कोषुण कार्यः। तुर्शेः बुह्र (छ) मह्नुः बह्नाः। छथा शर्छर विज्ञवाश्र्वमञ्चवर प्रधानाः भावम्याः। व्यन्तवाशिर व्यनमुखीः व्यक्तित्रपर वित्रपाश्वर्षः व्यनमुखाः देरभाविम्रमुखाः। व्यक्ता श्रद्धाः । व्यक्ता श्रद्धाः । (मरानाममुः आनक्रम बाम्ना निकन्ने । क्रिनागर्**डः ममर्वेड উ**प्रमण्डा करेप। ध्याषाभिक्तिभाव (क्यांत्र विज्ञांशकांत्र विषया विषया विषया विष्या विषया विषया विषिषिमार्थः । (२१म-२०क)

मिष्टिशा किंखका।

यिष्ठियार्था यक्ति। भर्यश्चिमः मर स्थान। खनव्छीर्यक्तम्।

(करवस्थि (नव अक जानी रक्टेच (नवात्र स्विधा विर्थम ॥ २७.॥

हिम्पार्थः। (वा (मरवार्ख्यायो महिना महिना महिना जानः। निक्किगडायः। ज्ञानः पूर्व्याख्यः वर्षावाष्ट्र वर्षा छ। वर्ष । की वृत्रीः। वक्षः कूषवः श्रावाणिकः वर्षानाः। यकः वनत्रश्रीः। यखान्यस्त यक्षक्षो अवा देठात्छ। स्टिक्षीत्र ठार्वः। यन्त प्रत्यमि विविकः अरका यूर्याः (वन जानीय। खटेच (वनाम क्विक्म:। (२१व २६१)।

मश्रीवरणी क'छका।

याण्डियानि याथाभ्यमञ्जा नियुखिकाम्बिष्टेतम ब्रिशिष्

(मा त्रिक्ष प्रकालमः युगय वि मीत्र भग्भवाद्य

(च नास्तनरका विष्ट्रेष्ट) निर्वष्टि। (च नात्ता, चर नाकिनियुक्तियाकिः क्रचा इडेएमः यागाम क्रताल मक्षण्ट वर्कमानर पाधारण र निर्मक्षण्य स्वमानमक् व्यक्षाण भक्षण । 'निशाकक क' (शाव काण्य) हेकि जरिक्षणमामका हेकि जीवः। 'नानिकाक' (शाव काण्य) हेकि जरिक्षणमामका हेकि जीवः। 'नानिकाक' (शाव काण्य) हेकि अन्तामी क्रक नानधानः। काकिनियुक्ति नाम्यकार मार्थकार मार्थकार समर नियुक्क (प्रविच । निर्मोकिकानार्वः सकारमन पश्चित्रामः। कोष्ट्रमः प्रविष् । व्यक्षणम् वृक्ष् वृक्षणक हैकि व्यक्षणान्य । कृष्ट्रम् अध्याप्तः। किक् नीतः भूवः गताः (शाव विद्यक्षिः व्यक्षणान्य । क्ष्यम्यनविद्यक्षिः (शाव विद्यक्षणाः । क्ष्यम्यनविद्यक्षिः (शाव विद्यक्षणाः) विद्यक्षणाः । क्ष्यम्यनविद्यक्षिः (शाव विद्यक्षणाः) । विद्यक्षणाः । (२९० — २१कः) ॥

अमे।बिश्लो किछा।

আ নো নির্ভিঃ শতিনীভিরপ্ররত ্ গহাস্থীভিরূপয়াহ বক্তন্।

वार्ता व्यक्तिकारन भाषत्रय ग्रह्म शास्त्र शिक्षः नका नः॥ २५०॥

एक वारत्रा, निवृद्धित्रचे कि श्राक्षित्रक्षित रगाक्ष्यक्षित विकास विकास

जिल्लानिक विश्वानिका

নিযুদাবাস্থান্ত ভাকো অয়ানি তে। গঞালি অ্বতো গৃহস্। ২৯ ।

বড়ুচো বার্দেশভার বার্দোইকাপশুপক্ষে বপাদীনাং যাজ্যাক্ষাক্ষাজেন নিযুকাঃ। আজা গায়ত্রী গৃৎগমনদৃষ্টা। হে বারো, যত্রং অ্থতো যজমানক্ষ গৃহৎ প্রতি বং গতা প্রমন্তীলোহনি। ত্রত আজালাভ্যাৎ। অভ্যো নিযুদ্ধান্যান্ত প্রাণিভ্যান্ত। আলাভ্যাৎ। অভ্যো নিযুদ্ধান্যান্ত প্রাণিভ্যান্ত। আলাভ্যান্ত আলাভ্যান্ত। আলাভ্যান্ত আলাভ্যান্ত আলাভ্যান্ত আলাভ্যান্ত। লকারং প্রক্রম্বাভ্যারঃ। শুক্রানিগ্রাণার পাত্রং ছমেনেতি ভারঃ ৪ (২৭জাল-২৯ক) ৪.

बिःनै किछा।

वारमा खरकां जम्मि एक गर्थत। जश किविष्टियू।

व्यात्राहि त्नामश्रीस्टात क्यार्ट्श त्नम् नियूष्टा ॥ ०० ॥

असृष् पूर्वी विश्व । ए या त्रा, एका श्रवः वाग्यामि आशंक्ष्य । की वृष्ट क्षकः । विविधित मध्यः अशेष एको विश्व क्षित्र विश्व क्षित्र क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षत्र क्ष

धकविश्मी किष्का।

षासूत्र (अंग) यक श्रीः माकः भन्न नना यक म्।

শিবো নিযুদ্ধিঃ শিবাভিঃ। ৩১ ।

ষে পার্জা। বার্ লিবাভি: কল্যাণর পাভি: নিমৃত্রিখাভি: রুষা মনদা দাকং চিষ্ণেন্দ দ্ব দাদরং যজাং গন পদ্ধে। কার্দাঃ। অগ্রেগাঃ অগ্রেগাঃ 'বিড্বনোর জুশ্দানিকারণে (পা॰ ৬।৪।৪১) ইভাকোরং। যজ্ঞাঃ যজেন প্রীরভে ভুষ্কতি বজ্ঞাঃ। বিল্বাং কল্যাণকরঃ। (২৭জ—৩১ক)।

बाजिश्मी किश्वा।

ৰানো বে ভে লছন্দ্ৰিণা স্থানভেভিরাগহি। নিযুষান্দোনপী চয়ে॥ ৩২॥

(च बारबा, ८४ ८७ छ व मेहिल्याः महत्त्र नाका प्रवानः प्रवाः ८७ छिटेखः प्रदेशः जागिक् जागिकः। किमर्बर मामानात्र। कीमृनकः। नियुवान् अधायुकः। नियुर्ज वारक्षितिकः विवर्षः । (२१ ज – ७२ क) ॥

ত্ত্ৰ স্থা কি জিকা। এক্যা চ দশভিশ্চ অভ্তে ৰাভ্যামিট্যে বিচ্পত্তী চ। ভিস্তিশ্চ বহলে ত্ৰিচ্পতা চ নিৰ্ভিকাৰ্বিছ ভা বিমুক্ত। ২০ ।

विष्ट्रेम् अनम्र्की भावानि मूं जारख। श्वा निका पृष्टिः नम्बिकंशिकाभा यक्ष न प्रपृष्टिः (इ प्रमृत्य, (इ याद्मा, এकम्म प्रमृष्टिः पाखार निरम्की निरम् का भूक्षेत्र नर्नः। किन्स्किः जिरम्का कि निर्म्दः ज्याकिः क्षेत्र । हे हे द्व यक्काम पर यामि भावानि यह । किन्स्किः विश्विकः विश्विकः

। किछीक भिश्व हुत

७१ वात्रवृक्तनारक प्रकृतिगाकत्रह्त । ज्यार्थ छ। व्योग्रह ॥ ७८ ॥

সায়ত্রী ব্যবস্থা। হে বায়ে, ছে বভশ্পতে লভ্যক্ত পালক, বভক্ত পভৌপরে মডাগমঃ। ছে ছাই আমাভঃ, আফিডালেপ আলাল যার্গর্ডলভি ভভো র্টির্ভনভীতি বায়্রাদিভাক্ত আমাভা। ছে অভ্যুত আশ্চর্যারূপ, জ্বাবাংশি অলা'ন বয়মার্ণীমছে প্রার্থানঃ। ৩৪।

गक्षाःभी किका।

অভি বা শ্র নোমনোহয়ক। ইব বেনবঃ।

जेनानभना केन्छः प्रमुन्भोनानमित्य एक्षाः ॥ ०६ ॥

वृष्णीमत्णावृष्णीषप्रः श्रानः विविष्टेशिक्षत्मवणारः। 'त्रनस्तरः विक्तिः गर्णास्यः श्रानः विश्विः। 'नात्मार्थ्यार्थार्गात्मार्थः हेणाव्य यार्गानः विश्विः। व्यक्तः श्रानः व्यक्तिः गर्णात्सः। त्यक्तिः। त्यक्तिः व्यक्तिः। व्यक्ति

। किलीक निःकार्थिक

म पार्वा २॥ प्रदेश मिर्गा म म भाविर्या म प्रारक्षा म प्रतिश्वरक ।

व्यवाहरका भवविष्ठम वाकिरमा भवाकवा स्वावरह ॥ ७० ॥

एक सचनन वन्तरम्, 'एवं हेला, विवि छटना विवाः शार्विनः श्रीविष्ठवक वानाम् चरम-मुम्मारका गारी छ (मयः। न ह बाङः न बनिम्राफ छेर भरमारङ। परमपुरमारकी छ सारान । मामुकार्स वज्ञानाः । चाठा वयः सा सार हरायहः । कौकुना सप्तर । जांचा-प्रकः अधान् कामग्रमानाः 'अधायनगांद' (भा- १ 810१) हेछि काहि आदः। छछः अछ-প্রভারঃ। বাজেনেহির্বস্তঃ হার্ছিছাঃ। গ্রাস্তঃ গা ইচ্ছস্তি গ্রাস্তঃ গোকামাঃ। গ্রাখ্-दमहोस्तर्भ (२१स—०६क) I

मश्चित्रा किका।

খানিদ্ধি হ্বানহে **লাভে**। বাজভ কারবঃ ।

ছাং রজেফিঞ লংপতিং নরভাং কাঠাস্বতিঃ। এব ॥

षांग्वरियकः श्रेत्रायः व्यापायः वम्पुष्टः वृष्ट्याद्या त्यानिः व्यथ्यत्यार्गानत्याद्यः। व्याणा वृष्ट्यी चिन्नीया करनाव्यन 'त्रक्षरत भरक' देखि अप्टः। (र देख, कावनः कर्खातः यकानार नतः अपिटका यभः चारभग हराभर्ट कास्यग्राभः। हे बनार्षि हि निक्तरम किर्मिमसर् याजात्रज्ञ नारको लाक्तिमिकः। त्राव्य मक्ष्य मक्ष्याविमामकः। कार्शकः भिक्ति भिष्य নিমিত্ত। ফালুলং ছাং। লংপতিং শতাং পাদ্যিতারং। আত্তস্ত্তাচাররতা নিষিদ-खानिनः मखः क्षार्ख। ख्या व्यव्याधिनाग्यः । विख्वाराश्यः। प्र लकाव्यालवाया ॥ (२१ ल - ७१२)।।

भकं बिल्ली क छिका।

निष्ठित वसर्थ धुसूधा भरः खनामा व्यक्तिः। गागचं त्रवाभिक्य मश्कित मखा वाष्ट्र न विश्वादमा ०৮॥

ए हिता चाण्डवाकातिन. ए नळवल, नक्षः वर्ष मण, ए चर्जनः चप्रतिक्षित्रसम् मछोडासिनान् खरमध्यः 'मधूनरमाः' (भा० माणा) है। क्रियर। (ए हेख, म यः त्नार-प्रकार नामचः ह मश्क्ति (मार । नष्ण्याः कित्रकिनार्यः । कोष्ण्यमधः । त्रशः त्रथं नाप् प्रवश्चनमार्थः की वृभेषि । श्रुष्या आगम् (कान महः भरता (कषता ह खेवानः ख्यमानः । श्रूषः

ंकुः ७(छ। निकास्कर्गारमणः। श्रुक्ता श्रुक्ति छ। तथानि। निर्देशः। महः विकस्ति। श्रुक्ता श्रुक्ति छ। निकास निकास निकास निकास निकास विकास निकास क्षा क्षा क्षा क्षा विकास निकास क्षा विकास क्

जिटकाग्डिशातिः भी किखका।

ক্যা নশ্চিত্র আছুবদুভী লদাৰ্থ: লখা। কয়া শচিঠয়াহয়ভা। ৩৯॥

ভিজ্ঞা গায়ত্রা ইন্দ্রদেশভা বামদেশভূষীঃ বামদেশসায়ে যোনিঃ 'বামদেশ্যমাল্পন' ইভি
শ্রেল্ড অন্ত্রা পাদানচূৎ লপ্তাক্ষরাত্রপাদা। পূর্বার্চঃ ইন্দ্রপদমন্বক্ষনীয়ং। ইন্দ্রঃ কয়া
উতী উত্তা অবনেন তর্পশেন প্রীপনেন বা নোহস্মাকং শধা দহায়ঃ আভূবং আভিমুখ্যেন
ভবভি। তুলা বুতা বর্তুত ইভি বুৎ তয়া বুতা বর্ণমানয়া লচিষ্ঠয়া আভলয়েন লচী লচিষ্ঠা
ভয়া অভিলয়নত্রা য়াগক্রিয়য়াম্বাকং শধা ভবভি। লচীতি কর্মনাম তত ইঠন্প্রতায়ঃ ।
ফীলুল ইন্দ্রঃ। চিক্রঃ বিচিত্রঃ পুজ্যো বা দদাব্ধঃ দদা বর্দ্ধত ইভি দদাব্ধঃ ইন্তুপধ — ' (পা৹
০া১ ১০৫) ইভি কপ্রতায়ঃ। সদা বর্দ্ধানাঃ। উতী তৃতীয়ৈক্বচনত 'ম্পাং প্রস্কু' (পা৹
৭ ১০০১) ইভি কপ্রতায়ঃ। আভূবং 'ইভন্চ লোগঃ পরিমেণদেশ্ব' (পা৹ ৩৪৯৭) ইভি
ভিপ ইলোগঃ লগ্নহান্দ্রে ভিন্তে ধাভোক্রবঙ্গাদেশঃ॥ (২৭ ল—৩৯ক) য়

हवातिः भी कालका।

पद्मा नरका। भगानार मध्यारका मदनकतः। पूजा किनाक्ररक रहा 8 • ।

ছে ইক্র, অন্ত্রান্ত লোমরপত কঃ অংলাঃ দ্বা দ্বাং মংলং মার্কৃতি মন্তং করোন্তি 'গদী হর্ষে' 'লেটোইডাটো' (পা০ ০৪ ৯৪) ইতাডাগন্ধঃ 'লিকছেলং লেটি' (পা০ ৩)১,৩৪) লিপ্ প্রত্যান্তঃ ইলোপাঃ কিলুলা। মদানাং মংহিঠঃ মদস্বন্তি তানি মদানি প্রান্তঃ মদজনকানি হুনীংবি তেবাং মধ্যে সংহিঠঃ শ্রেষ্ঠঃ অভ্যন্তমদজনকঃ 'মংহি কাজেট' চুরাদিঃ। মংহয়তি ভোততে মংহী অভ্যন্তং মংহী মংহঠঃ। শ্রেমাংশেন মন্তঃ পন্ বুলুচিৎ দুল্ভাণি বন্ধু বন্ধনি মানি ক্রকালি দ্বার্কি ব্যাক্তি। (শ্রেমাংশেন মন্তঃ পন্ দুলুচিৎ দুল্ভাণি বন্ধু বন্ধনি ক্রকালি দ্বার্কি ক্রাক্তি। (শ্রেমাংশিন মন্তঃ পন্ ক্রেমান চ্বার্কি দ্বান্তি ভ্রাকি ক্রিমার্কি ক্রেমার্কি ক্রেমার্কি ভ্রেমার্কি ভ্রেমার্কি ক্রিমার্কি ক্রেমার্কি ভ্রেমার্কি ভ্রমান্তিক ভ্রমান্ত ভ্রম

। किलाक निश्ती विक्र

णाणी यू पा नक्षीनामविष्ठा व्यक्तिकृषामा मक्टर व्याप्याक्षता । ७३॥

बिह्यातिश्ली किथा।

वका यका त्या भग्नत्य शिवा शिवा ह सकत्य।

প্রা বর্মমূতং জাভবেদশং প্রিয়ং মিত্রং ন শত্শিস্থা ৪২ ॥

ত্তঃ প্রগাণঃ আরেয়ঃ শংযুদৃষ্টঃ যঞায় জরক সায়ে। যোনিঃ। 'যঞাযাজ্যাং পুরুং' ইক্তিক্তেঃ। বে বৃহত্যো। তৃতায়া সতোরহতী। যজাযাজা বীপায়াং বিহুং। দপ্রমাক-কচনাজার:। দ ইতি ছিতীয়াবহাচনমেকবচনার্থে যঞ্জানানিযয়ং বা। অয়য়ে চতুর্বোক-কচনার্থে। গিয়াগিয়া বীপায়াং বিহুং। চঃ পাদপ্রনাঃ। দক্ষণে। চতুর্থি কিতায়ার্থে। 'প্রদম্পোদঃ পাদপ্রণে' (পা০ ৮০)৬) ইতি ছিছং। তক্ত চ শংনিবমিতি ক্রিয়য়া শয়য়ঃ। বয়মিতি প্রথমাবহুবচমমেকবচনার্থে। তথা চৈবং যোজনা। যজেষজেহনেকযজেষু গিয়াগিয়াহয়য়ায়য়া ভতা। বঃ ছাং। যজা বো বুয়াকমর্থে আয়িং প্রশংনিবং
জৌম 'খংল ছতোঁ' লুভু অভভাব আয়ঃ। বা বুয়াকমর্থে আয়িং প্রশংনিবং
জৌম 'খংল ছতোঁ' লুভু অভভাব আয়ঃ। বীলুলময়িং। দক্ষণং দক্ষভেক্ৎনাহার্থম্য
য়াতোরস্থাপ্রতায়ঃ। দক্ষতে উৎলহতে দক্ষাঃ তং উৎলাহ্নমং। যথা দক্ষ ইতিণ্বলনাম
অন্তর্নীভ্রত্বের দ্রাইবাং। দক্ষণং বলণজং। অমৃত্যমমরণবর্মাণং। আভবেদশং আজং বেদো
জানং ধনং বা যমাজং। প্রিয়ং শ্রীভিজনকং। মাজক উণারষ্টায়পচায়াছ্পমার্থীয়ঃ। মিজং ক

बिह्यातिश्मी किथिक।।

পাহি নো অল্ল এক্য়া পাত্তি বিভীন্না।

পাছি গীডিভিত্তিকভাং পতে পাছি ছত্ত্ত্তির্বাণা। । ।

गर्नाष्ट्री। ए जारा, ए छेड्यार भएड जमानार भागक, हर रामा वाममिखः, यदा नृक्षमप्रदेश खडेगार। (ए राषा वस्थान बन्नन, अक्षा नित्रो है कि नवकाकुनकः अक्षा नित्रो बन्नकन्त्री कृतीश्रानिर्द्धनार खळः नाम्नुकिनाकार्यनः। त्नार्यानः नार्वित्रकः। देख व्यनिष्ठः विक्रीश्रामाः यञ्च क्षा । ত । ত কি কি কি বাৰ কাৰ্যজ্গামলক পাভিঃ ভভো নঃ পাছি। एष्टरिः भग्यञ्:गार्मानभगनमगाधः खाणा नः गावि भग्रगग्रकानामित्रमा एपूर्वी भैः । ६० ॥

क्ष्यूम्हवाबिश्मी किखिका।

উ एक। नभावण् न दिना ३ राभ प्रमुक्ति (भग हरा ना छ रहा। **ज्यदारक्षिका** ज्यद्भ छेठ जाठा छन्नाम् ॥ ८८ ॥

यक्षभारतारभवर्षार आर्षप्ररह । एक अस्वर्या। छ एका नभाडमभार भोजमिश म सर विना ष्टिक छर्पत्र '| इ ग्रांको द्वाको वानिः लाहि डेलागम्हान्त्रः। केर्यन्यमान केहारकाः व्याखाः युक्ता कात्रत्थ (७(क)।श्रीत्रक) गाः (भोत्वाधिः। यत्कारत्रमात्रत्रभग्नः कामानिक्छि कामग्नः 'ক্যাছেন্স' (পা॰ ৩২১৭০) ইত্যপ্রভার:। অভো হ্যাদারভে হবিষো দানায় দাদেন अक्षत्रभागः। 'मःमः मान्न' चाज मक्षद्रार्थः। যভোহরং নাজেমলের অবিভা রশিভা ভুবৎ ভবভি। বুদে বুদ্ধৌ ৮ ভূশং ভবভি। উতাপিচ তন্নাং শরীরাণাং তাভা রিকিতা ভবভি। बहरहम कार्यमानमतो दद्र मार्थम् भाष्ट्र । व्यक्ति द्र मुख्य विष्ठ । या विद्या विष्ठ । या विद्या विष्ठ । या विद्या व ङ्गिकां नाम ७९ गक्यां भः । (२१अ─88कः) ॥.

शक्र शिक्ष कि कि ना

ज्र वर्षरत्राष्ट्रजि अति वर्षरताञ्गी गांमरमस्त्राञ्गी धर्मरताञ्जि वर्षरताञ्जा । खेबनएख कञ्चागाञ्चावाएख कञ्चशार्यभागाएख कञ्चशार मानाएख कञ्चशाप्रधार्थकार क्षा मार्य विषय विषय कि कि कार्य । (थाका) विषय विषय कि मार्यस्था श्चर्गर्गि छत्रा दम्पछत्राव्हित्रश्चत्रः मीम ॥ ६० ॥

অধিদেশভাং যক্ত্রঃ। অন্ত যক্ত্রি নবনশভাক্ষরাণি একো ব্যুরঃ। শুভঃ শভাক্ষরাভিক্তিভিদ্ধঃ। চিন্তাাধেরভিমর্শনে বিনিরোগঃ। 'পঞ্চাংবংসরষয়ং মুগাণাক্ষং প্রজাপতিং' ইভি জ্যোভিঃশাল্যোক্তমিভোচাতে। ধে অংগা, দং লংবংলরোহাল পরিবংলরোহিনি ইলাবইলরোহিলি ইবংসরোহিলি বংলরোহিনি নিংবিলেষণঃ গঞ্চণংবংলরাত্মকমুগরুলোহনী,ভার্বঃ। শুগং ভবেবংসরপঞ্চকেন ইভি জ্যোভিঃশাল্ত্যাক্তেঃ। ভঙ্গ তে তা উবদঃ প্রাভঃকালাদয়ঃ কালবিলেষাঃ লক্ষবমধ্যাত্মদয়ঃ অংহারাত্রাঃ দিশেনিশাঃ অর্কাশাঃ পক্ষাঃ মালাইভিল্লিয়ঃ গতাবিলেষাঃ কল্পবমধ্যাত্মদয়ঃ অংহারাত্রাঃ দিশেনিশাঃ অর্কাশাঃ পক্ষাঃ মালাইভিল্লিয়ঃ পঞ্চালি কল্পবালয়ঃ কল্পামানরভেন ক্রপ্তা ভবলু। লংবংসরশ্রে উপলক্ষণং। লংবংসরাদয়ঃ পঞ্চালি কল্পবাং। ক্রিমারিভিলালরার্থা। কিঞ্চ প্রেটিভা প্রামনার এটা আগমনার চল্লমঞ্চ লক্ষ্র প্রামার চি ক্ষেত্রেরা লক্ষোচনিকালো কুর্বিভি ভাবঃ। কিঞ্চ প্রগালারেণ চিন্তবাৎস্থাচনিলনি। ভরা দেশভ্রা বাচা লহিতঃ সন্ অস্বির্বং অল্বরণ ইব প্রাণা ইবঃ প্রাং শ্রিরাং দীদ ভির্তঃ। (২৭জ—৪৫ক) য়

देखि मानानित्नीयायार बाजनत्वमनश्चित्रायार मश्चित्रत्नाव्यायः ॥ २७॥

জীমনাহীশরক্তভ বেদদীশে মনোহরে। শস্ত্রিংশোহর্মধাায় আমিকো বিরভোহধুনা ॥ ২৭ ॥

यकुदर्यम-मः हिंग।

---- con * \$10 * .: \$ * con .

[শুक्रयजुर्दिन — राजमत्नशिमश्ह्ज।]

अक्षीवि १८ ना ३ था श

अभग किखा।

তোভা যক্ষৎসমিণেশ্রমিড়স্পলে নাভা পুলিবা। আধি।

দিনো বস্থানিসমিণতে ও জিঠেশ চ**র্ব**নীসভাং বে**দালাভ** ভোত্যক ॥ > ॥

विश्वीम विश्वमा

। । । হোভা যক্তম্নপাভষ্তিভিভেগ্রমপর।ভিভ্ন।

। ইস্তাং দেবত খাব্দিং প্রিভিম্মন্তনৈন রাল্ভ লেন

ভিৰাগ বেছাজাত হোভৰ্জ। ২॥

জভিজগতী। নরাশংদেশ দেবেন যুক্তং তন্নপাত্যিক্র: চ দেবং হোতা যজাতু।
কৈঃ পণিভিঃ। পভজি গছাজি কর্নং যজ্মানা হৈকে পদ্বাদেশ চনীংবি ভৈঃ। কীলুলৈঃ।
উতিভিঃ অবজি ভর্পমন্তি তে উভয়কৈঃ 'উভিয়াত—' (পা॰ এএ৯৭) ইত্যাদিনা
কর্ত্তিরি নিপাতঃ। তণা মধুমন্তমৈঃ মধুর্মধুরস্বাদেহিতি যেবু তে মধুমন্তঃ অভ্যন্তং মধুমন্তো মধুমন্তমাঃ তৈঃ। কীলুলমিক্রাং। জেভারং লক্রণাং অপরাজিঙং কেনাপি ম পরাভূতং।
দাবিদং অঃ কর্মং বেতি স্বীয়ং জানাতি স্বাবিহ। যথা সঃ স্বর্গে বিস্ততে স্ববিহতং
'বিদ্ব দন্তায়াং'। কীলুলেন নরালংদেন। তেজা তেজস্বিনা। এবং দেবদম্বত ইক্রঃ
ভাজান্ত বেতু। লেবং পূর্ববং। অন্ত জেন্-পাল্লরালংসাবেকরে প্রাঞ্জি গঠিতাবিত্যুভরমান্ত্রং প্রথাজঃ॥ (২৮৬—২ক)।

क्षोग किछा।

ছোতা বক্ষ পিড়াভিরিজ দীড়িং গ্রমাজুহ্বান্ম মন্ত্রাশ্।

(भरना (भरेनः भनोर्य। वज्रखः প्रश्नरत्रा (वज्राज्य एवाजर्याच । ७।

खायो के सिक्। (वाका हेका कि श्राक्षण निका कर देसर १५०। की वृत्रविकार । के कि व्यर वाका कि कि कर । का क्या निवास गण निवास प्रभारेनः (मनाना स्वर्ण र ना ।
का की मधार निवास के कि लिए। (मय हेक्कः का का कि रिका के कि लिए। को कि लिए। निवास निवास निवास के कि लिए। कि लिए। निवास के कि

यखूरकीय-मर्हिखा।

ठडूवी कि छिका १

(दाष्टा यक्षपर्दिनी**खर नियवतर देवकर नदीलन्**म्।

বিষ্ণী রুদ্রোদিতৈ দে ব্যুগ্ভিক্তিরাদ্দ্রেভাজাত হোভর্ম । ৪ ॥

জার্য ত্রিষ্টুপ্। বহিষি প্রয়াজনে বভায়াং স্থিত শিল্পং হোতা যজতু। কীলুন বিজেং। নিষদরং নিষালাজ নিষদ উপনে ইনর: ভেষাং বরং শ্রেষ্ঠং। স্থাজং বর্ষিতারং। নর্যাপনং লারেভান যজানেভান হিতং ন্যানপঃ কর্ম যক্ত ল ন্যাপাঃ ভং ন্যাপাং হিতকারিপং। ল ইন্তো বহুভি: রুক্তঃ আনিতাঃ স্বন্তারকে বৈং সহিতঃ বহিরাশনং আলীকতু আলাজ্ঞ ব্যক্ত চ। কীনুন ক্ষেণিভি:। ল্যুণ্ভি: শহু যুক্ত ভে ল্যুজঃ তৈঃ স্মান্ধোলিভি:। ল্যুণ্ভি: শহু যুক্ত ভে ল্যুজঃ তৈঃ স্মান্ধোলিভি:। জ্যুণ্ডি: শহু যুক্ত ভে ল্যুজঃ তৈঃ স্মান্ধোলিভি:।

शक्त्री क किका।

(शंखा यक्षरमाध्या न वीर्य ग्रहा यात्र देशमगर्भत्रम्।

অপ্রায়ণা অসিক্তভে বিশন্তামূভার্ংখো ছার

ইন্তার গীত্বে বাজ্বাজ্ঞাত হোত্র্য । ১ ।

অভিলগতী। নকার*চার্বঃ। যা বারঃ প্রয়াজনেশঃ ইন্তানিক্সে ওজো বীর্যাং দহশ্চাবর্জনন। ওল ইন্তার্যকাং, গার্থাং শরীরগণং শলো মনোগলং ভা বারো হোভা যজতু।
ভাশ্চ বার ইন্তার ইল্লার্বং বিশ্ররভাং বিবৃতা ভগ্ত। অস্থিন যজে আজাং বাস্তাপিগ্রা
চ। কাল্লা বারঃ। ক্মপ্রায়ণাঃ স্থানে প্রকৃত্তীময়নং সমনং যাস্ম ভাঃ। বিবৃত্তবাদিভার্বঃ। গরুং যজাং বর্জনাতি গ্রহণং লংহিভারাম্ভলক্ত দীর্ঘঃ। ইন্তার কাল্পার।
নীচুবে মেহতীভি মীচ্না ভবৈ লেক্জে। ক্সন্তো নিপাভঃ। (২৮ল—৫ক)।

मछी क छिका।

(रा) यक्ष्रय रेख ४ (मन् चक्र माखना मही।

जनाजरतो न (जना वरमिक्षभन्। जार वीखामाका उपाद्धिक । जा

वार्शे विष्टून्। छैद व्यव भूक्षनंशानाः। (हार्छ। छैदं मरक्षाद्य यवक्। एक हे एक व्या वेद्यम वर्ष्णाः। वाकाः वीकाः निवारः ह। छत्त पृहेकिः। नवाछदो म। म् हेवार्ष् । नमामा वाका वर्णो वर्षारक नवर्णो क्विक्षक गादो वर्णा वर्षारक वर्षारक वर्षा वर्षादक वर्षा वर्षारक वर्षा वर्षादक वर्षा वर्षा

मखनी किका।

रिषाका यक्षदेक्ता (दाञाला क्रिका नथाना द्विरबक्षः विवकाकः।

कवी (वर्षो व्यक्तिमानिकात वस हैक्सियर वीकामान्य देशक्यांन । १ ॥

व्यक्ति । देश विषय विषय विषय क्षेत्र कि विषय कि विषय

अमेमो किल्वा।

. दश्या वक्षित्या विकेश क्ष्मा क्ष्मा विकास विका

ইন্দ্রপদ্ম ইবিশ্বভীকাস্থাকাত হোভবাক । ৮ ।

खाची चम्हे प्। (७वणर (७वणमा १ खात्रा (नाकाखान हेण नतपरी णात्रजीखा जिल्ला (मनेक (एए) पंचण् । जाकाश गांच मकात्रकार में कृषाख्यः। खिनास्वर खात्रा (मनेक विश्व क्षित्र । स्वत्र (छ। जानाः जानाः कर्षात्रः मीर्डाक्ष वान् । क्षित्रकार (छ। जानाः वार्ष्य कर्षात्रः मीर्डाक्ष वान् । क्षित्रकार वान । क्षित्रकार वान । विश्व कर्षात्र वान । क्षित्रकार वान । विश्व कर्षात्र । विश्व कर्षात्र वान ।

नवशे किखा।

- হোতা যক্ষরীরমিক্রং দেবং ভিষজত মুগুজং মুগুজং মুগুজরুশ। পুরুরপত সুরেভলং
- মুখেনিমিন্তার ছি। দুণ্দিক্রিয়াণি বেয়ালা হোত্রীজ । ১॥

নশ্মী কৃষ্ঠিক।। হৈতা যক্ষনস্পাত্ত শমিতার্থ শতকৈ হং ধিয়ো জোষ্টার্মিজিরন্। ক্ষানা সমগ্রনপ্রিভিঃ সুগেভিঃ স্বলাভি স্ক্রং মধুনা স্থতেন বিদ্যাক্যত হোত্র্যাক্ষ । ১০ ।

শক্ষরী। হোতা বনস্পতিং প্রাক্তনেবতাং বজ্জু। কীনুলং ধনস্পতিং। শমিতারং উলুধলানির থেণ তবিষা শাস্ক তারং। শতক্রেজ্ শতং ক্রেডবং কর্মানি যক্ত ডং চন্তকর্মানং। বিরোজোলার বৃদ্ধে নোবভারং। ইন্তিয়া সক্ষাপ্রনা। হতং বীর্যার শংবা। সৃত্তী মধ্যা মধুনা স্বাহ্বনা ঘৃতেন সমস্ত্রনা যক্তং সংশ্রক্ষণ সন্ প্রাক্তিঃ স্থাগালার প্রতিন যুডং যজং। স্বলাভি দেবান প্রাণয়ভি। স্বলাভিঃ প্রাপণার্থঃ স্বলাভাং বেজু। স্বেম্বন গণাভ দেবান প্রাণয়ভি। স্বলাভিঃ প্রাপণার্থঃ স্বলাভাং বেজু। স্বেম্বন গণাভে বেষু ভে স্বলাঃ 'ক্রেরোর্ধকরণে' (পান তহারচ) ইন্তি গণের্ড প্রভারঃ । (২৮ল—১০ক)।

विश्व किथिक।

 मकती। टाठा वेखर गंबजू। चार्यकार त्यांकाण (मनाक्रवजू। चार्यकारत्य (भवर्यां क्रियों क्रियं चार्यकारत्य (खार्यां क्रियं क्र

बानना क छक।।

(मचर वर्षित्रिक्षण चूरमवर (मटेनव्यविवरकीर्वर त्यामनक्ष्मर ।

क्रिया क्रिया विश्व विद्या विद्या क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय

ख (त्रामनी कछ। का ।

(मनोक्ति हेखल, मःशास्त्र नोष्ट्रीयाभन्न क्ष्रन्।

बा नव्यम छक्रदमन क्रमाद्यन ह भी नक्षामानाल,

(त्रवूक्काहर स्वाकार रस्त्राचन रस्ट्राम्म राख राख राख । ১৩।

अमाधिक। मक्ती। यक्कगृश्वाद्ताश्व (११काः। यक्किः गित्रका क्वित विविद्धाः) व्याप्त स्था क्वित विविद्धाः व्याप्त स्था व्याप्त व्

हिल्ली किछा।

(म नी छेनानागरकात्वर यटका क्षायकारकाम्।

देवनीर्मिनः श्रागिष्ठाण प्रश्रीएक प्रमिष्क वद्भवत्न वष्ट्रावत्रक कीकाः वस्त ।) ॥

श्यामणी कि कि ।

(मनी (बाद्धी नश्चित्र) (मनिमश्रमनिक्कान ।

बार्गानाश्चार। (स्थापकाश्चानकाश्च सर्वावि सव्यमानाम् विकारकः

स्यास्य नश्चरवर्ग की श्रा सवा । ১৫ ।

(योटणिन्न मकात्रयाणाप्रः। ज्ञणा विक्रोत्रा वार्ति। यत्रवीत्राविः त्वाभरवाभागि यत्र यत्र्यामः वार्तिः ज्ञानि ज्ञणात्र वार्याः वार्याः

(याष्ट्रणी कि छ ।।

त्वरी खेळाखडी छ्रायः श्रद्धाय भग्नाम १६ छान्।

वेवस्क्रमा वक्रप्र प्रभी अवद्या मरवन श्र्मार मग्नारम

श्राप्ति नवमवाङः म्क्यम्क छ छ क्ष्ममारम वस्र वारीति

यवमानाम विक्रिक वस्रवस्य क्ष्मराभक्ष वीद्याः यक्ष ॥ ১७॥

िकृष्णिः। व्याप्तान्याद्धारका (ययकाविकद्धाः। (यवी (याद्या) भूकिरेक्टार्थारक भन्नमाः क्रिक्टाः। व्याप्तान्य विवाप्तान्य व्याप्तान्य विवापत्तान्य विवापत्तान्य व्याप्तान्य विवापत्तान्य व

मश्रामी क छन्।।

(मना देवना (काकाता (कर्मसक्तम किश्मा

इश्यन्य गाया था है। यन वाद्यानि मचना मात्र निकारको

ब्द्धरा बद्धरम्भ ग्रेडार युक्ध ३३६

व्यक्ति । विद्या (पनीः (पनाः भ छः भानकि शिक्षभ वर्ष्क्षत्। व्यक्ति प्रमक्तिः। । व्यक्ति । व्यक्

জেকেনিবিংশী ক্জিক।।

বেব ইজেন নরাল্ড্রাজিনরাগ্রিবস্থারো দেবমিজ্ঞানবর্ত্ত্বাধারিত লগজেন প্রবর্ত্তিক মিজাবস্থানেও

বিজ্ঞাহিতে। কুহম্প্রিভ জেনজ্ঞানিবর্ত্তানিক বিজ্ঞানিক বিজ্ঞানি

कुछि:। नता व्यविद्यानीयाः वर्षास्य गतावरमः यद्धा (मनः देखर (क्यम्क्रियः। क्षेत्र्यान्। विन्त्रत्यः नक्ष्यर गृहरः विविक् कोष्ट्रां नतावरमः। देशकोकोर्षः क्षेत्र्यानान्। विन्द्रत्यः नक्ष्यर गृहरः विविक् दक्षवानि नद्याद्यात्रात्रीयात् यक्ष गः। विश्वतः विवि दक्ष्ताति वभाकःनामम्भगति वस्तामि यक नः। मत्राष्टमः षिछिपृष्ठागाः ष्ट्रगाविष्ठः मन महाखन (भागकः खन श्री वर्ष एक । मिकि श्री मर शृक्षेर मानार काः विकिश्वे। भागः । भिकानक्रवा इद भिकान वक्रवादिवाज महान्यम (हात्मपर्छः (वाक्रक्षांन (वार्ता) खवडः। बुक्लांछः (खात्-(गोमगाळगर्छ। जिमा जिमा जिमास्त्री तगर्छ। म (ग्रु। (२५० - ३३४)।

बिरणी काखका।

(परना (परेवर्क्यमण्लिक्तिनाला)। यथूनायः स्विश्रिता (पनिम्स्यमनक्तित्र)

विनमद्भाग्रामाणविकः पृथिनीमवृष्हीय स्नरम यस्तम् । ८०॥

व्यक्तियो । यून फेटारछ । ननम्नि हिस्ति (परिनः नच देखानक्तिप्र । कीतृषः। वित्रणार्थाः वित्रणायम्। नर्णानि यक्ता यसूनायः सस्यसूता त्रन्यको नामा यक । व्यानिश्रनः শোভনানি শিপ্তালানি ফলানি ষ্পা। যো বনম্পতিরত্রেণ দিনং অর্থনস্পুশং ম্পুন্তি। न्लुट्मम् डि 'मम इक्श्निमानिह: का:' (भा: ०१) है । क्रिक्श हारा । अखित अर अत्यादनां छ ८ व्या । ज्या ज्युनिक। श्रीनिम्श्दत्र (व्याः। अपुःशेष पुरायकत्तार। म (१९। (२४०-२०४)।

अक्रिका कि कि न।

वर्षितातिकोनाः (वर्षाम्यमनक्षेत्र)

चामचित्राख्यागन्नमञ्चा वहीं अचा च्याप्त वच्यापमञ्च (वक्य वक्षा २)।

जारी विष्टून्। वर्हः जयुशासामा देशाः त्यवगर्द्धार। जया जयान नरीयणाष्ट्र ष्मिष्टर्शक करब्छू। कीषुमर विद्ः। यात्रिकीनात्मावयीनार मत्या (पर पी भागानर ८ अर्थः। वादि ज्ञान हित्रीं छर्गानाः जा बादिष्ठस्य ज्ञाञ्जि छ्यमग्रः। यानम् पूर्यमान्तन चीत्राक रख चदयामध्रः। हेट्यमामत्रमाध्यकः। (२४-२>४)।

षाविश्लो किखका।

व्यश्चिः विष्ठेकुष्मन्त्रिक्रगर्केष्रर ।

चिष्ठेर क्रू सन्चिष्ठेश्वर विष्ठेशक करतालू त्या व स्वत्य व स्वत्य व स्वत्य व स्वत्य व

व्याची बिहुन्। विहेक्स्कान व्यक्तिः हैसार व्यवस्थित म त्यार्काकर व्यक्ति वासूं हैर करताजू (वजू ह। कीष्ट्रवा) विहेर कूर्यकान् विहेक्द्र मान त्याक्रमान्नहेर कर्षान्। विहेर कक्रिकातः ॥ ५२५व — २२क) ५

ब्रावासमा किका।

विभक्ष (काञात्रवर्षीकांत्रर यक्षमामः अहन् अक्षीः अहम् शूर्त्राष्ट्रावर यद्गित्यात्र क्षांत्रम्।

স্পশ্ধা অন্ধ দেখো নমশ্সভিরভবনিজ্ঞার ছাগেন।
আৰম্ভং ধেল্ডঃ প্রভি পচন্তাগ্রাভীদনীরূণংপুরোভালেন।

भागक करवन । २०॥

षामध्य व्यव क्षिक्रीकः উष्ण्यक्षाणि। जेखाण्यमभी श्रष्टानकिर्धाः। षामण व्यव हेणावः मञ्ज उष्ण्याणि। जेखाश्रवाद्य वाद्यावणाण्याद्य ह क्षिणेद्याद्यः वात्रिमाद्याद्याद्यः। प्राप्तमाद्याद्याव्यः व्यावावणाः व्यव ह क्षिणे। श्रिक्। प्राप्त व्यावावणाः व्यव व्यव विकाश्य क्षिणे व्यव व्यावावणाः व्यव व्यव विकाश्य व्यव विकाश्य विकाश्य विवाश (२)।६२—७०)। (२५ प - २०क)।

ठणुकिंश्मी कश्विका।

। ছোভা যক্ষৎসমিণানং মহন্তলঃ স্থামজং বয়েণামরিমিজং বয়োগলণ্।

शाम्रखीः **एम हे** खित्रर काविर माः यहा प्रयाणाण एगाण्याण । २८ ॥

क्षान्य वाद्यावरण अल्लो क्षाक्षेत्रवाः अविश्वम्नभावाण्यश्चीरणवणः। अण्यमञ्जी।
देवरवाः (बाजा अविश् नरवायनावत्वर व वज् । त्राः आवृक्षवािक वरवायाः जर आवृर्या याणावरः
यावृत्विज्ञातरः या। कोष्वयावरः। अव्यापम्यः वीलामवरः। महणाणः। प्रभारः प्रमृतिक्
कृतिवृत्ववव्यक्ष प्रभारण्यः। वह्न प्रमा नामदः वोक्षः। वरव्यकः यवनाः क्षाक्षः। किः कूर्वन्
विक्षः। आवृत्विः कृत्वः विक्षितः वीर्वाः काविश् नादः आवृत्वः वयदः क्षान्यम् वृत्वः विक्षः। व्यवः विवाः वाविश् नादः वावः व्यवः व्यवः विकाः।
यवानाष्ट्रकः कारणाव्यः व्यवः विकाः वर्षाः वशः नाः कावः वाक्षितः वर्षाः वाः व्यवः विवाः व्यवः विकाः।
विवाः व्यवः विकाः वर्षाः वर्षाः वशः नाः कावः वाक्षितः वर्षाः वाः व्यवः विवाः विवाः

भक्षिरणी किंका।

(बाका यक्षकम्मनाक्षम् अवर यर अर्ध्वकिकिद्धर विद्यादनम्।

विक्रम् हेलियर विकाराहर गार यहता मस्यवाकाक हारुयाका २०॥

क्राविका क्रमछो। (हाछा क्रमूनशाकर श्राविकार वर्धावर्गिकार ह यक्ष्र । क्रमिकियार गर्छर पर क्रमेशिका क्रमेश

यक् विश्ली किछका।

रहाठा रक्षिति एक शिक्ष श्राह्म श्राह्म श्राह्म । व्यवस्था स्वाद्म । व्यवस्था । व्यव

वृत्यन् मकत्रो। (याका हेड़ाकिः श्राक्तापत्र गाकः मर नात्रावनिवार गवण्। कोष्में विश्वर। मेडिक् मेडिक् दिन्न विश्व कार्या केडिक् किडिक् दिन्न केडिक् केडिक केडिक केडिक् केडिक् केडिक केडिक केडिक् केडिक केडिक

मश्चित्भो किखका।

ेश्हाका वक्तरक्षिर भ्रवस्थमम्हार मोवसः विहास विश्व स्थानम्।

वृक्कीर छम देखिन्र जिन्दमर भार नरमा मभरवचाकाच रक्षाका २१॥

पक्ती। (बाजा वरमावनिव्यक्ष वक्षण् । कीषृत्रः। स्वर्गित्रः (बाज्यः विदेश ख्रीप्रकः विवयः विवयः व्यक्षित्रः विवयः व

ा जिन्दमर भार सम्राप्त एस । सदभः मरमदममः जामा सदमा यण जिन्दामा (भीः स्था । म (न्यू । (२৮ म — २१ म)॥

थाडीविंदणी क छका।

्राष्ट्री सम्बाह्य औः व्ह्रशायना सङ्गद्धना बार्स

(लनी विजन ग्रेगीन्त्राच्यानिकार न स्थाननम्।

ाक्ष कर हरा है दशक्षित्र पूर्व। नावर गार नरता प्रमत्राखः नाव (शक्षित्र ॥ २৮॥

ান্ত বিভাগ হারে দেশী বুজাবে লাবির্চ বিহাশসনিক্ষা দে যজক।

ান্ত বাচলানী বাচো কাজনা সালা লাল বলাত স্থান আন লাজনা প্রথমণাই

কাল সালামী বাচো কাজনা সালা লালা লালা বলাত স্থান আন লালা ভিরম্বারী বির্বারী বির

धरकानिकः भी किछिन।।

्ष्र अप्रवास्था अभिष्म वृष्ठी উष्ट नष्टानाना न पर्णाष्ठ विश्वित्रक्षः यदन्नावनम् ।

। अहे हर इन्म केटर खार शर्ष गार गार गरमा सम्बोडामाकाक स्थाप्यां का २०॥

অভিনত্তী। হোতা উত্তে নজোনা। নজোবণো নিষণ প্রায়াণ ব্যোগপ্যজ্ঞ ত । অতুন নজা বাজিঃ উষা বাজেরণরভাগঃ নকারশ্চার্থঃ। কালুভো নজোনদো। প্রেণ্ডা নজোনদো। প্রেণ্ডা ক্রেণ্ডা নজোনদো। প্রেণ্ডা ক্রেণ্ডা করেলে। প্রনিষ্ঠে প্রিল্ডা ক্রেণ্ডা করেলে। প্রনিষ্ঠে প্রিল্ডা করেলে। প্রক্রি প্রতির্গেণ্ডা করিছে। তুর্লী বৃহ্ডাে। দর্শতে দর্শনায়ে। দৃশেরভত্ প্রভারঃ। কিং ক্রেন্। তিই ভং ক্রেণ্ডা ইন্দির্গ পর্তারে গাং ব্যুক্ত ইন্ত্রে দ্বা। তে বীভাগে প্রভাগে হ্রা

साम विकृत्यिन-मा

जिःभी किष्का।

दशका यगरकाटका प्रमामाम्खमर यहणा दशकादा देव

करो नवूटकक्षर चरत्रायनम्।

व्यम् विविधमनष्मां शिक्ष प्राप्त वा विभवीकामां वा विविधम अ

क्षणिक विकासि । क्षिणि देवा देवा विकास विकास विकास क्ष्मणिक क्षमणि । क्षिणिक विकास क्ष्मणिक विकास क्षमणिक क्षमणिक क्षमणिक क्षमणिक क्षमणिक क्षमणिक क्षमणिक विकास क्षमणिक क्

वकिष्णी किष्का

ছোতা যক্তপেশসভীভিত্রো দেবীবিরণায়ীর্তরেভীক্ষ্ভীক্ষ্টা পতিনিজং হ**ে** কে

निताखः क्र-भ देविजायर (एयर घर म मन्त्रा प्रमदाखाळाळ द्याक्रीक

षाखिश्यी किश्वाष

हिलाका मन्मर प्रदेशकार पृष्टिन द्वार स्थापि निस्त पृष्टि विस्तः यह भाषा

श्विभव क्षा विश्ववृत्रानर श्रीर म मध्यो प्रश्वाकामा देवाक्यां व वर्

अमाधिका पंचती। द्याका चक्षेत्रस् वरम्भवनिश्यक वक्ष्यः। क्षेत्रस्य चक्षेत्रस्य द्याक्ष्यस्य विश्व विष्य विश्व व

खत्रियानी किका।

(१७) यक्षकणिकः विष्याप्त विष्याप्त विष्याप्तिकः प्रवास

विक्रक्त विन्ति क्रश्निक्त व्यवायमञ्

कर्मेक६ क्रमे इरबक्षितेर क्लांस रक्षक आस करमा क्षरक्षाकोक रहाक्ष्मेक । ०० ॥

व्यक्त हिन्द । (इक्ति समक्किक सद्माधनमिक्कर ह मक्कि । कोस्वर समक्कि । विकास स्व व्यक्ति । विकास व्यक्ति । विकास व्यक्ति । विकास विकास । विकास विकास विकास । विकास विकास विकास । विकास विकास । विकास विकास विकास विकास विकास विकास । विकास वितास विकास व

म्बान किल्ला

(बाडा यक्तरकाहाक्रकी सिंद शृङ्गिक्तर पृथ्यक्रमः (अवस्

क्षिर कविष्यस् यरप्रायन्त्र

व्यक्तिक्षण विष्युष सम्बुष्य शाद स्ट्या प्रथाक्षाकाना द्वाकर्याक ॥ ७६ ॥

व्यक्ति। (काळा पावाक्षकीः श्रीकारविष्ठाः हसार ह वळ्छ। कोष्ट्रविष्ठाः व्यक्ति। व्यक्तिः व्यक्ति। व्यक्तिः विवक्तिः व्यक्तिः विवक्तिः विवक्

कत्वर कवार बाह्य वाहर । परमायनमाह्र्य वाकाम । किर क्रूसम् । व्यक्तिकार क्रूब्स् वेशिवर वोद्यार मुक्त महर वयकर शृहेर शार पत्राव्यक्ति क्ष्यर । (शृक्षार वाह्यक्रमः वाह्यक्र वाह्य । (ह अञ्चल्यक्ति, व्यक्ति वह्य । (२५वन-०३क), हः

भाषात्रा । सन्दर्भिक्ष सम्बद्धि स्टबा स्थवस्य स्था स्थवस्य स्थितस्य स्थ

यारवाधान भवारवरेवकाववाववावावावाः देशयाः गर्विवाविष्यवकाः। क्रमाविष्य व्याद्योः विष्ट्रेष्टः। भावका हत्यनाः विष्ट्रेष्टः। भावका हत्यनाः कृषा हत्युविष्यः वयर्ष्टः। भावका हत्यनाः कृषा हत्युविष्यः वयर्ष्टः। अश्वका हत्यनाः वय्यानाय हावाः (वक् । वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्विनश्चरात्रेष्टः। भावका हत्यनाः वय्यानाय हावाः (वक् । वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्विनश्चरात्रेष्टः। भावका हत्यनाः वय्यानायः हावाः (वक् । वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्विनश्चरात्रेष्टः। वश्ववक्षाः वश्ववक्षाः व्यवक्षाः वय्यावकाः वय्यावकाः वय्यावकाः व्यवकाः व्यवकाः व्यवकाः वय्यावकाः वयावकाः वय्यावकाः वय्यावकाः वयावकाः वयावकाः

वहेलिश्योः किका ।

क्षित्रारमा परमायण कि विकास नक्षेत्रम ।

क्रिका क्ष्मरमिक्षम् व्यानिक्किः वरमा वयस्यायाः स्थापमञ्ज वास वया वया ।

षाद्या (पनाः गरप्रायमः श्रायमः श्रिक्षित्रव्य प्रदेशः । श्रीकृष्णा पातः । श्रीकशं हम्मनः कृषा गर पा व्यानिधित्रः व्यारमिक्षित्रः व्यारमिक्षः व्यारमिक्षित्रः व्यारमिक्षः व्यारमिक्

मखिल्मी किया।

दिनी क्रिमामका दिनम्बर स्टबायमर दिनीः दिनम्बर्काम्।

जबकुका क्नरविक्षत्रः वर्गावरका वरत्रा क्षणक्षत्रवरमः वश्चरवत्रक्ष वीकार वजा क्रिक

(य द्यारको वृष्ट्छो। छवानामहको (नने (वरनो वरवावनविद्यश् किनम वर्ष्ट्छार। छवाक मक्तर ६ छवानामद्या 'छवारनायमः' (ना० ७०००००) देणावश्यक (वरवापरक्ष्ट्र) छवानावारन्या विद्यास्त्रवास्त्राम्। स्रोतृत्यो (छ। (वर्षी वीनायारमः। स्रोतृत्विद् । (द्वार षीणामांवर। धरको प्रमोध्यमध्यो षीशिमाहरको जर्जा ज्वनाहरको। जज्ञे ज्ञान एकना वनविश्वित्र वत्रम्ह हेट्स वयद वयरको। वयषिकामात्रद जिल्ल्यहम्याहास्त्रा वा। एक वीकार्ष (२५ ज - ७१ क)।

नके विश्वी किका।

प्रवी (वाश्वी वश्रविक्षी (वश्रविक्षर पदम्रायम् एवर्ग (वश्रवस्क वाम् ।

वृद्धाः हम्मानिश्वर्ष (आविधिक बर्बा वश्वम्बर्ग वद्धाः वश्वम्ब

त्वनी त्वरनो की नाबाहम जा प्रवाकत्वन एक कनर वी खः चरप्रानमिकार त्वनगर्निकार। तक्ती-त्वनवत्वी भूकार। कोष्ट्र जो। त्वार्डो स्वार्थ एक त्वार्डो क्रिक्ट का स्वर्थ । स्वर्य । स्वर्थ । स्वर्थ । स्वर्थ । स्वर्य । स्वर्य । स्वर्थ । स्वर्थ । स्वर्य । स्वर्य । स्

अटकानहचात्रिश्मी किश्वमा ।

त्वनी किन्नास्त्री कृष्य अवृत्यः शत्रायमः यदबायमः (वनी (वनमनक्षान्।

अब्दुक्ता क्ष्मण्या क्ष्मण्या कर्या कर्यस्था कर्यस्था कर्यस्था कर्यस्था

व्यक्ति। (वरी वात्यां के क्याको (वर्षा) नम्म नरमामम (वर्षामम क्याना क्य

। ।कछोक भिन्ह्यांकर

त्वका देवना त्वाकाता त्वकाता करवाकार त्वरंगे त्वनमन्द्रवाचार

जिहुन क्निर्मित विविधित परमा मनवश्चरम क्यारमञ्जू नेकार यन ॥ ॥ ॥ ॥

धक्ष्वाविः नी क्षिका।

दवनेखिळ डिल्डा (वर्गे विद्यानवर गक्षिशमभनक्षित्र । जगका। क्षणात्मिक्र

म्निल्ल बर्बा वन्यम्नत्न चन्नरम् नास यस ॥ ३ ॥

ध्या पिका वाजी व्यक्षे भू। खिट्या (परा) चात्र छोष्ट्रा भिक्ष पछि भागकर यरप्राय-प्रिश्य गर्देशन। व्यक्षान व्यवस्था कोष्ट्र । व्यक्षा क्ष्मा व्यस् नगिविष्य प्राप्त स्था व्यक्ष व्यक्

बिह्वादिः भी कृष्टिका।

(मरन) नत्राम्भ्रं रहा ध्यविद्धार यरम्भावतर (मरम (मनमन्द्रित । विम्नाचा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रय

बिह्लाबिश्नी किना।

(बरमा मनण्यक्ति विश्वास मरम्रायमर (बरमा एवमम क्षेत्र । विश्वा क्षण्यत्मित्र र

छश्मिट्या परमा प्रविद्ययाम समूर्यम् ८१ छ । ८० ॥

व्यक्तिका । (पर्या काका यमन्त्रविष्ट्रांनः स्वरं रक्षाक्रमः सरम्राधनिविष्ठः रक्षमभक्ति । विनिष्ठा क्रिया क्रिया । विनिष्ठा क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रिया

हकूम्हबादिःनी किखका।

खाची वृष्णी। वृष्टिः (वर्गविक्षयपद्मवः। कीवृष्यिकः। (वरः वीशावायः। वरक्षावतः चत्रामा बाखायर। कीवृत्रर वर्ष्ट्रिः। वात्रिकीमार बार्काः वकात्रात् विकिक्श कियागार का वाविष्य श्ववयक्षामार चर्या स्वर वीश (अवेविष्यंश क्षण क्षणा स्याम्भविष्यः 4祖(42(四 446 (54年—88年) 6

अक्टबासिश्यी किका।

(परना जिल्डिक जिल्डिक कि निवास परना पन निवास कि निवास कि

जिल्लिमा इमरमिल्यर क्यानिएल यात्रा वर्षस्थारम यक्रामंत्रक राष्ट्र

वाकी वर्छ। (मरमा भाषा विश्वेष्ट व्यक्तिः एकरमा मरबायमर एव वर बीखिविखर रवनमनक्षेत्र । कीवृत्यः। व्यक्तिक्यमा क्ष्यमा कातार क्षणाळानक्षणिक्षर वत्र एक स्वर् ·च वश्ववनमात्र वश्ववात्रात्र छ (व्यू । एव (क्षांचः, चवलि वच ६ (व्यू न व्यक्त) ह

यहेडबाबिश्नी किका।

अधिमक (हा जात्रमत्री जात्रर वक्षमानः अहन शक्षीः अहम् शूरवार्षामर

यरवाषरम छात्रमा

(बर्या यमन्त्रियञ्चविद्याच्च वरत्रायरण ह्यारमन ।

व्यव्यर (मन्द्रः खण्डि नष्टबाज्रकीषनीवृष्ट्नूरबाष्ट्रात्वम । वात्रक वर्षः । ३७ ।

অধিমন্ত একাৰিকা ভ্ৰামী পাৰতী। পুপন্থাঃ ভ্ৰামাণ্ড পুণ্ এতে ন্যাৰ্যাতে (কা০ ২০)। शावक अकीरकाक्षर नर्साष्ट्रिन भाँठा । अकाविका विक्वकिः। अवविन न्यावाकः (क०२०)। हिलाब यदबायत्म इंडि यित्ययः । (२४ - १६ क) ।

विकि वायानिमीयाग्रार वाकन्यमिन्। विकायार विशिव्याव्याप्य । २৮ व

विषयकीष त्रकृद्क रमकोटन महमाक्ष्य । जहाबिश्रमाक्ष्यगारमाक्ष्मश्रद्भोद्धमनीक्ष्य ।। देखि भोजाव वैनवदी अञ्चलक्षाण देखविष्ण जन्म जना है। विश्वता क्षा । वर्ष ।।

यजुदर्गन-मश्रिज।

[শুক্লযজুর্বেদ — বাজসনেয়িসংছিতা।]

একোন ত্রিংশোহ্ধ্যায়ঃ।

প্ৰথমা কণ্ডিকা।

निरंद्धा **चश्चनकुषद्र घडी**नाः चुडगान्न मध्यदिनामानः।

याची यहचाचिनः खांडटयरमा रमगनाः निक श्रियमा नगन्। ।

আখাৰে বিকোহবারে । ভভোহত প্রজাপতিব বি:। আতা একানশ ত্রিষ্টুভঃ আশ্রীন্
লংজ্ঞাঃ অখনতারো বাননে বপুত্রেশ রহতক্ষেশ শমুদ্রপুত্রেশ। খেন বা দৃষ্টাঃ শমিন্দুনপানিডালিলে বজাকাঃ। বে অন্যে, বে আভবেদঃ আভপ্রজ্ঞান, বং দেশানাং লগতঃ লছ
ভিক্তান্ত বাত্রেভি সহস্থানং প্রাভ প্রিয়ং প্রীভিমানকি আবহু দেশান্প্রীশয়েভার্বঃ। বহুছেঃ
আপো সুক্তি মধ্বনৈ কর্মনে ক্লেং। কীমূলবং। শমিদ্ধঃ দীপ্তঃ মন্তীনাং ক্লরং বুধীন
নামুদ্রহ প্রজ্ঞান বাজীকুর্মান্। বুজিরইতং প্রকাশয়িরভার্বঃ। মধুমং ভার স্বভং
পিছলালঃ দেশের শিক্ষা। বাজী বজ্ঞান্তি বাজী বিজ্ঞ পতেটা চলম্বান্। বাজিমং
ভবিঃ বহন দেশান্প্রাণয়্ক্রণ প্রীশর । (২৯জ—১ক) ৪

বিভীয়া কণ্ডিক।।

म्राज्याक्षमार भरमा सम्बद्धानान्यवामचाव्यारभाष्ट्र दन्यान्।

ः अञ्च वा नत्थ व्यक्तिनः नहस्राप् चनायदेच स्वनायात्र त्यस्य २ ।

वाकी व्यापा (प्रवानं (पाष्ट्र) कीवृष्टः। युक्त (प्रवानान् पर्षः प्रवान् (प्रवा वाप्रत्व विवाद वाप्रत्व विवाद विवा

। किलाक महिंद व

किल्डाम्हानि सम्मान्ह सिक्साक्षम्हानि स्ममान्ह नर्श्व।

विद्वा (वर्षक्षिः वर्षामाः श्रीष्ठः मह्नि महन् वाष्ट्रमाः । अ

एव वाकिन, एव नरक्ष, केळाड खरकार्थान । वन्ताः नमनोरम्भिन जास्वः नीवः रवनः रवनः रवनः प्राप्तः । किक व्यावर्थनाः व्यक्तिः वाकाः वर्षः प्राप्तः वर्षः वर्षः प्राप्तः । किक व्यावर्थनाः व्यक्तिः वर्षः वर्षः वर्षः प्राप्तः । वर्षः । वरः । वर

हर्थी का खका।

वमः विदेश । जुदेनोय नायु खनोय खनाय । जिल्लिक्य ने खीरं खर विदेश ख्रिक ख्रा हैएक मायु भरक वर्गामा क्ष्म खानम् । कोष्ट्र वर्गामा क्ष्म क्ष्म ख्रा । कोष्ट्र वर्गामा ख्रा क्रिक । ख्रा । ख्रा । कोष्ट्र वर्गामा ख्रा क्रिक । ख्रा । ख्रा । कोष्ट्र वर्गामा ख्रा क्रिक । ख्रा ।

नक्षी कालका।

क्या के के क्रमा विश्वस्था विश्वस्था क्रमां क्रमां

स्वित्राव्यवानाः, ता पृत्राव्यक्षः वातः विनेः वक्षत्वातः त्याः नेवृत्तः क्यक्षः हैं के लाक्ष्रः । कीवृतः । क्षण्याः । क्षणः व्यक्षिः व्यक्षः । क्षणः व्यक्षः व्यवः । क्षणः व्यक्षः व्यवः । क्षणः व्यक्षः व्यवः । क्षणः व्यकः । क्षणः व्यकः । क्षणः व्यकः । क्षणः व्यवः व्यवः । क्षणः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः । क्षणः व्यवः व्यवः । क्षणः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः । क्षणः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः व्यवः । कष्णः व्यवः व्यवः । व्यवः व्यवः वयः । व्यवः वयः । वयः । वयः वयः

विकास विका

व्यक्तमा विकारक्रमा ५५की सूबर यक्कामाभाकमः विवादसः।

क्षेत्रामा याच्य व्यक्तिया व्यक्तिक बाह्य व्यक्ति व क

(क् भन्नीयस्थार्ग), याः यूयरमार्थाक्षण यक्षण रगरना हेक देवाना हेयतो नरकाक्रांश नाममान चानमान। विवाद विकास काममान चानमान। विवाद विकास काममान चानमान। विवाद विकास काममान काममान विकास काममान विवाद विकास काममान काममा

मख्यी, कशिका।

व्यवका कार्य व्यवका श्वर्वा द्वर्यो शक्तरको व्यवका विका

व्याणि अवर द्वापमा सर विमामा द्वायां द्वापिः व्यविषाः विषया । १-१

ह्य स्थानो, याः वृत्ताः क्षया क्षयमा क्षयमा स्था स्था स्था स्था प्राची पद्यक्ति क्षयम् क्षित्रसमित्र । क्षितार्किकक वृद्धि केष्ट्रिकरक, क्षणः । जन्न हान्नित्रको हा वस्यक द्वित्र (साम्राक्षीः कोषुरमो । वर्षायमा नन्नित्रो वद्यासा न्या समास्था क्षयमान्ना क्ष्रिक खूर्या चूर्यो (धाण्या रर्ण कुर्विश्वाद्यो । (वस्य) वीनामाहमी वाणाया । (वस्य) विश्वाद्यो । (वस्य) व्याप्य कृत्याम व्याप्य । वार यूर्याप्य विमान (काणाया क्याप्य विमान वि

व्यक्ते का किया।

व्याबिदेश्वाद्या भावको वहु वक्षण्यत्रयको मह ऋदेश्वर्स व्यावीय।

वेष्णानकृषा वश्राका महावा वष्णर त्वा (वर्षोत्रवृष्ण्यू वष्ण ॥ ৮॥

আধিতৈয়: যুক্তা ভারতী নোহস্থাকং ষত্তং বাই কাময়তাং। দরস্থী ক্রি: দহ নোহসাকং ষত্তনাবীৎ ভারতা ইড়া চাবতু। কীদুনা। উপস্তা ক্রতোপহরা। বস্থাতঃ দেখে। দন্ধোৰাঃ প্রীতিযুকা। এবং পরোক্ষমান্তনায় প্রক্তাক্ষমাহ। হে দেবীঃ দেব্যো ভারতীদরস্থাতাতা নোহস্থাকং স্থান্ত্র দেবেয়ু গত যুগং স্থাণয়ত এ ৮ ।

बन्यों किछका।

पड़े। वोत्रर भिवकामर खळान चड्डेत्रका जाव्छ जाख्याः।

বাষ্টেদং বিশ্বং ভ্ৰমণ ভ্ৰান বহো: ক্ৰিব্ৰামহ যাক হোভঃ n ম n

पड़ी वोतर शूंबर प्रवास समग्रित। कोष्ट्रमार वोतर। (सरकामर (सरानकामग्रेट्ड, विकास सर वहातर। सम्बद्धाराकत्रवनवर्षाम् कार्यः। सहै। नकामार प्रमाद स्वाप्ति केरिया केरिया कार्यः। स्वाप्ति कार्यः। सही ग्रह्णि स्वाप्ति स्वाप्ति प्रमाहित प्रवास्ति । विकास स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति । विकास स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति । विकास स्वाप्ति स

9

षणयी काश्वका।

व्या प्रवन विद्या नमक छेन (वर्ष) २ ॥

बहूनः नाव जरू । 'सवन्तः स्किर्णास् "ज्यानामम् । । । । विभागि विभागि । विभागि । । । ।

नाव. हे हा ह्या । जवः नावः जवः ववः विक्वः विद्धाः विद

। किछाक दिलाका

व्यवाण (७४ नमा बाद्यानः भ्रष्टा कार्डा कार्य यक्ष्य (म १

चाराक्वरका क्विया गूद्राभा गावि माधा। क्वित्रमञ्ज (५वाः ।। >> ।।

(स् व्यक्त, द्वर स्टब्स् विषय वात्रभावः। जल्प । किस् वाह्यक्ष्यः। ख्वानक्ष्यनम् व्यवस्थानः वर्षभानः। मृत्या व्यक्ति व्यवस्था क्रियानः। क्रियानः। मृत्या व्यक्ति व्यवस्थानः। क्रियानः। क्रियान्यक्षित्रं। व्यक्ति व्यवस्थानः पूर्ता शक्ति। व्यक्ति व्यवस्थान्य व्यवस्थान्यः। क्रियः। व्यक्ति। व्यक्तिः। विष्ठक्तिः। विष्ठक्तिः।

। किछा के किमा

यस्कान्यः व्यवसर कात्रमान एकक्ष्मम्माइक का भूत्रोवार।

(क्षान्य नामा वात्रगञ्ज, वाह् क्षेत्रखार, महि वाद्यर एक व्यक्षन । ३२ ॥

विद्यापनी काश्वमा ।

सरम्भ नखर खिष्ठ अववास्नित्रक अवर ख्रांकि । भक्षर्का खन्न त्रवास्त्र वारका विक्र ।

हर्जूनी काश्वता।

वित यस्या विद्या विश्व विद्या विद्या

(स जर्मन, पर यदमार्गन जानिकाम्हानि। अध्यम (भारताम आख्यम कर्षनाः विद्यः विद्यानः विद्यान्ति। रनादमन नममा नह निभुक्तः कल्लाकुः कल्लाकुः कल्लाकुः कल्लाकुः विद्यान्ति। अप विद्यान विद्या

शक्षाणी किया।

क्रीवि स वाहिष्टि वस्तान क्रीयान स क्रीयास क्रीयास वहार स्था वस्त्रवस्त्र मानस्था स काहः वस्त्र सनिक्षण १ २६ ६

(र जर्मन, यव एक क्व ज्वार कविवार वृषा जाहः जाविकाम्राज्य कवा एक कव वीनि व्यान वृत्वयशाकाकाका । जन केर्ड वोष वद्यान वाहः कृर्वित् हिक्कीकावाक । व्यवःनमुद्ध व्यवाद्रभवाषा छोष वद्ममान वाहः (म्या विद्वार खनविर्म्मात्रां । उद्यानिक वक्रमः वक्रमञ्जाभः पर त्य बार इत् नि अन्तिनि । क्षीन वित्र । इक्षित्रक्रीक ं क्या । व्यक्तनः अवर्गनः । (२३व - .६क) B

[किलाक किकाम

वाजिन्नवधार्क्यमानीया वकानार विक्षित्रधामा।

ज्ञानुबना या ज्ञित्रक्षि त्रानाः ॥ ১७॥

८ए वाजिन, ८७ ७व हेमा हेमानि जनमार्कानानि जहमभक्षर भक्षामि। जनमार्कारक देवसानि व्यवमार्क्षमानि (यहनक्षेत्रीनि मकानार धूत्रानार निष्ठः नखक् व्रिप्तकः नावनानना हैमा हेमान नियान। वियानानि ज्ञानानि जन्जः। जात यट्ड एक उन त्रनाः भयानक्रमत्रक्तः व्याप्त कोषुनी वनगाः। अखाः कर्मा। यहाः। (जानाः त्रानाः त्रानाः वक्न-कक्षाः। या त्रवाः वक्षमा वक्षः वक्षमकित्रकि कर्षां विषा किराजा ह (भा॰ ७ ७।३०७) हेकाल नवना वोदः । (२२ न- ३७ न) ॥

मखन्गी किला।

नित्री ज्ञानश्र श्विष्ठि ज्रामिक वाद्रश्विष्ट व्यक्षिमान श्विष्ठ । >१ ।

व्यवस्य स्वा कविश्वरकर्षना (कोडि। (इ अस, एक क्रमास्राम् समना कामान्य व्यवाबार बार्गाय। बागारकणं कुछिरेनकवहनर। कोवृत्रमात्रामर। व्यवः व्यवणार श्राप्त-बार विना माखाबादर्भन भक्षण रूबाः श्रांच भक्षभ्रस्यूरभक्षाः। 'भक्ष केष्याभरकाः' हुनानि-ब्रवश्वाः। क्षिक ६७ विवर प्रश्वास्त्र १९ अक्षात्र । कोष्ट्र न ११ । श्विकः मरणायार्षिः (अव्यानर नाक्ष्य । कोबुरेनः नाविक्षः। श्रामणः श्रुरेनः स्रायन नमार्छ रचतु एक स्नारेखः 'क्ष्यद्वाविक्यर्व' (११० ७ २।८৮) हेडि भए। । चार्यवृत्तिः नाणि (वृत्तिवृत्तिः

बन्धानी किल्या।

ৰতা তে রূপমূভনমণশ্রং ভিগীনমাণ্ডিয় ভা পদে গোঃ।

यमा एक मर्स्का व्यक्त रकाशमान्डाविम् श्रामिक अम्मी स्वीशः । ১৮।

হে অয়, অয়ে বিন গোঃ স্থাক্স পদে মপ্তলে তে তানেত্ৰ মুল্মছ আ অপশ্ৰং লা অলা হিং লা কিন্তা নলা বিন্তা কিন্তা ক

धारकानां नश्नी कालका।

जलू हा तरना जलू मर्गा। जन्मसूत्र भारतार्थ छन्। क्लीनान्।

जलू बाडानखन नवामोत्रसूर (दना मान्द्र वीवार (छ। ১৯।

बिएनी क छन।।

ष्त्रिनामृत्का व्यक्त नामा यत्नाकना व्यव हेस वामीर।

(म्या देवच प्यामाखा च्याप्रः ख्यामा च्याप्रका च्याप्र

या क्षिया प्रमाः व्यक्त व्यवधानिक विश्व व

विश्ली किका।

ण्याणिकार निवास छुत्रर । यर यथा ज्याः नश्च स्वित्र न्याः (अनिकः (अनिक्षां स्वाप्ताः स्वित्र निवास स्वित्र निवास स्वाप्ताः स्वापताः स्वाप्ताः स्वापतः स्वाप्ताः स्वाप्ताः स्वापत्तः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः स्वापतः

बाविश्भी कि का।

छव वजीतर भछत्रिक् क्षेत् छव हिन्छर वास्त हेव अकीवात्।

हिन्द वजीतर भछत्रिक क्षेत्र क्षेत्र हिन्द वजीवात्।

हिन्द वजीतर भछत्रिका श्रक्तिका व्यक्तिवात् क्षेत्र हिन्द हिन हिन्द हिन हिन्द हिन हिन्द हिन

ए जर्मन, जन महीन्रर नक्षिक छरनजनमानः। जन हिन्दः खनीमान निक्षितः।
वाक इव रननवर्ममावीन्तमञ्जीकार्वः। जन मृत्यान कोसनः मन्तरामु वरनम् कावानिवेक्- ५०

्कर्णन हत्र खिनति । कीषुमानि मुकानि। भूक्षा रहण विश्विक विविधः विश्वास विद्याक्त खार्का विद्यानि। जर्ज्याना जर्ज्यानानि। 'ज्ञ विक्रमर्त' विक्रमिकानि । १२॥

तारप्रानिश्भी किश्वमा।

श्रीत्राष्ट्रमनः स्थान्त्री (प्रमञ्जीका मनना

পুরো নীরতে নাভিরতাকু পশ্চাৎক্**ব**য়ো বল্পি রেভাঃ ॥ ২৩ ॥

व्यक्षा व्यथः वननः निवनच्छामम्नश्रामार व्यात्रष्ठः। कीषुरवार्का। यांची यविष्ठि घाकी भगनमीलः व्यवसान या। '(परायोठा ममना कोशानः। (परान्थाकाकि (पराय) क् एवम 'निष्णित्रस्वरभ्राण्ड हिन्द्रमाण्डकावव्यकारभ्र' (भा॰ ७।०। २२) देखि (प्रचयक्य हिन्नाहरको अरम्बन मीगीएक मीगानः 'मोबोक् मीखिरवयमरत्राः' मामह्वात्रः। গভেন চিছেন দীপামানঃ। किक অক্তাশ্বস পুরোছতো আজো নীয়ভে ছাপাতে। ভছজেৎ 'कुक्छ और चारश्राम ब्रदार्ट भूत्रकार' देखि। चक्र नाक्षिः चत्वा नीम्रत्य नात्को द्वारात्व । कंत्रकर '(मोगारभोक: आरमा नाकार' होता जा भम्हार क्रवत्रः विकः जम्मिक जम् भक्षि। कोम्नाः क्रमः। (त्रकाः (त्रकाः (त्रकाः '(त्रज् लक्षः' (खाठात्र बेठार्यः ॥ २०॥

म्यान्य किल्ला

উপ প্রাগাৎপর্মং ষৎলধন্থ্যর্কান । **अन्ता পিভরং মাভরং চ**।

चन्ना (परानक्षेत्रामा वि श्रमा च्यानार्ख पाख्र सार्वानि । २८ ।

अनमपर चर्चा यवमानमाए। व्यक्तान् व्यक्तापः निकत्रर माकत्रर ह व्यव्य क्वानाशृबित्नारे जि नगीर नव्यम् कुष्ठ यर नथन्त महन्त्रानर छर छन्छानार। जर्मन्यम महनाना-. कानम्हामनः। व्याच धन (प्रवामाकः भएक (क नवमान, सुष्टेक्यः श्रीक्ष्यः मन व्याच प्र (प्रयान भवाः (क्षरणाकः भव्छः। भव्यतानीनिक् वराटेवकं वहरम भवा। इंकि क्रमर। व्यर्थियर त्यवहर गडाम बाखर्य द्विक्षियर्ख क्रुकार वाद्यानि वन्नीन्नामि रकाशायकृमि दि न्बर जापारण। (पनमरनार्या ना म्याचिकार्यः॥ (२३ ज २८४)॥

शक्षिरणी किका।

नियक्ता जन्म मन्त्रसं इरतार्थ त्याना त्याना जन्म ।

भा 5 वह भिक्षभद्यक्तिकाषः पृतः कवित्रनि ध्येट्डाः । २८ ।

(साफ् विः नौ किका।

छन्नभारभव बार्डिं वानामध्या मगक्षन्यममा श्रिक्सा

মনানি ধীভিক্লত যতন্দ্দেবতা চ ক্লব্ভথবরং নঃ। ২৬।

खन्नामणार मणार पिटि विश्व प्रकार प्रकार प्राप्त एक प्राप्त प्रकार प्रका

मुखिद्यों क्षिका।

मद्राम्भ्यामा मस्यामरमसम्भरकायाम सक्त छन्। यटेक्टरा

ध्य व्यक्त वर छहरता वित्रक्षाः व्यवस्थि दक्ष्मा छिएश्रामि स्वार्ध। २० ६

वया जिल्लान्त्रका महान्द्राम् द्राष्ट्रका व्यापिक्षा वदेशः खन्तमा जनकोणि सः। व्यक्षां व्यक्षा व्यक्षा व्यक्षा वाक्ष्यायः व्यक्षा वाष्ट्रावा वाष्ट्रावा व्यक्षा वाष्ट्रावा वाष्ट्रावा वाष्ट्र खोखिए कि छिष्टिमक नहरम 'नियासनर किंहि' (भा- का अका) देखि मिन खाडारम कर्नर । क्षीवृत्तमा महान्द्रमा वटेकाः वक्षणा। स्टब्बिका काष्ठावाः। अवार ८क्साः। ८व ८वताः खिल्ह्यामि एका ह्वीर्थि त्यावर इंख्यानि ह चर्नाख कम्प्रीखा कीषुना त्याः। भूकक्ष (माख्यः ख्रेष्ट्रः सर्ग्य (यवार एक ख्रुष्ट्रः ख्रुष्टा निष्णाणाः । विश्वरवाः विश्वर वृद्धिः सर्ग्य सः विवाही क विवाही के (२३वा २१वा) B

व्यक्ति। विश्वी क्षाका । वास्वान बेर्डा क्यानाशक्ष न्यूविः न्याकाः। पर (नरामामनि यस्त रहाडा अञ्चलको विष्ठा यकोग्रान् । २৮।

८ए चार , प्राप्नाहि चाशकः। कोत्नुचा । चाक्र्यानः चाक्र्यानः चाक्र्यानः (स्वानिकाष्ट्रकानः। स्वत्राकः मनः भ्रः 'स्यः मस्यमात्रवः' (भा० ७ ১ ७२) हेकाकाानक **ब्रुश्ना**त्रपर व्यानांत्र केलाः अस्ताः नम्बाः नमनोत्रः। क्याचाः व्यामश्री जि:। किक (व यह्य यहन, यः चर (प्रयानार (वाका व्याद्याका व्यक्ति व व्यापनान् विक् व्या कोष्ट्रनसः। वेष्यः (स्थायतः चकोरक्षे। ना। वक्षेत्रान् वक्षेत्रेस्य वक्षे बहा बबोबान । व्यवसान 'क्रियरंडरभम्रःस्' (ना० ७।३ २०३) वेकि क्रिना दनानः । २० ॥

अरकार्वा के किका। काहीनर वर्षः कावना প्रविगा यखाउंका बुकारक व्यवस्य विक्रंतर वजीरता (यरवर्षा व्यवस्य प्रामम् ॥ २० ॥ बुा

बहार विमानायत्य भूकारह वर्षः व्याष्ठीनः व्याप्रयर वृक्षार्ष व्यक्षिर्ष व्याप्रवाशकानक अवस्थावकामध्य केवाका । किर चनुका (मढ़ाहा । 'अविना आनश्र परिः खनाकि क्षि अधिनारमाम अधिकन एकन अधिनामार। जन्ना नृषिना। (नएमः नर्षाः निकृतः) व्यक्तिकारवार्षः वर्षादः वृक्षायामः मर विकादक विविधर विकाद कर्षातः क्रिया लालेजुष्मण्ड । कीवृन् वर्षिः । विखयः वयोष्गः क्वाप्तः विचयमिष्ठवाः वयोष्गः व्याप्तमृत् बरीयः 'अवस्य १---' (ना - अश्राप्त) .हे ज्यांकिया हिर्यास्यादकवः। दिवस्याह व्यक्तिहरू ह श्वामर अवक्रवर । (२७०५—१०७) »

विश्नी किका।

ষাচমভীক্ষা বিশ্রমভাং পতিভোগ ল জনম: ভঙ্কনানাঃ।

(वरीष्ट्रांट्या यूच्छीर्विचिषा (वर्षणा ७वड वक्षाय्वाध । ०० ।

वक्षिश्मी किका

चा प्रवश्यो रकट छेनाटक छेवानानका ननवगर मि (वार्मा।

विरया द्यायरण बुबकी खुक्र स्म व्यक्ति खिन्न खुक्कि लियर विद्यार ।

व्या वि अवस्ताः मनवाविकि मनवः। व्यावाक एवात्म देकातम मनवः। विवानिकः व्यावकः व्यावकः विवानिकः व्यावकः विवानिकः व्यावकः विवानिकः व्यावकः विवानिकः वि

वाजिश्म कृष्टिका।

देवशा (बाजाता खबना जुगाठा निमामा गच्छ मश्रद्धा वक्टेगा। देवशा विवर्षमु काक खाडोनर (काान्तिः खबना विवसा । वर ।

ख्यां खरणी क खका।

আ নো যজাং ভারতী ভূরমেহিতা মলুক্লিছ চেতর্জী।

ভিল্রে দেশীকহিরেদে ভোনত সরস্ভী স্পদঃ সদস্ত । ৩৩।

ভারতী ইড়া দরস্বতী চ নোহস্বাক্ত ষক্তং ভূরং ক্রিপ্রমা এড় আগচ্ছতু। ক্রীভূনী। স্বত্বং কর্মনি চেভরতী ভাগরতী কর্মজানং বোধরতী। ইহং ভিস্তাহ বিশেষণং। এভান্তলো দেবী: দেবাঃ ভোনং ক্রম্মনিদং বহিং আগদন্ত আগীদভা। ক্রীভূনী:। স্বণদং শেজনমণ: কর্মমানাং ভাঃ ভভকর্মাণঃ। অপ ইভি কর্মনাম। ৩০।

हर्ष्यः भी किछक।।

य छ । या श्री विषी । किया । किया ।

ভনত হোভরিষিজো যভীয়ান্দেবং ছটারমিছ বক্ষি বিদান ! ৩৪ ৷

एक (कालः, कलं केविकः (श्रोंकिः गन् छः बहातः (समिव यरक गिक् यक । कीकृषः वर । यक्षीशन् कलालः वहा 'खितर्डं रमशः स्व (পा० ७।८।२६८) कलीश्रस्त क्रिं। त्वाभा । विकान् वाविकात्रकः। छः करे। यः विष्ठा केट्य छावाश्रीविषी छावाल्यो त्रिटेग क्विशः क्विश्वः विवान् काव्यः (भाग्यः विकान् क्विशः । व्यक्ति वर्षां क्विश्वः (भाग्यः । व्यक्ति वर्षां वर्

नकि जिल्ली कि खिका।

खिणावञ्**ल जुला ममश्रामनागाः नाम बळ्वा** हरीश्वि।

यनण्य चित्र व्यक्तिः चम्छ इत्या प्रत्ना प्रत्ना १००॥

ষজ্ঞবানো বদতি। তে ছোতঃ, স্থলা আস্থা ছবীংবি গুড়বা গড়ো গড়ো বজাবাৰ স্থান ক্ষুণাবস্থা দেছি। কিং কুর্মন। দেবানাং পাণঃ হবিঃ মধুনা মধুররদেন বুজেন সমগ্রন্থ লংক্ষন্। দেবানামিত্যক্তং ভানাই। বনস্পতিষুণিঃ দমিতা দেবঃ অবিঃ এতে ত্রেয়া হবাং ছোত্রা লংম্জা দম্ভা দম্ভা দেবঃ স্থান লংম্জা দম্ভা দেৱা সংম্জা দ্বাং ভালাবাল লংম্জা ভালাবাল ভালাল ভালাবাল ভালাবাল ভালাবাল ভালাবাল ভালাবাল ভালাবাল ভালাবাল ভালাল ভালাবাল ভালাবাল

महे जिल्ली कि का।

मरणाणारणा वाभिमीण यक्तमधिर्वनामणवरशृद्यागाः।

অত হোজু: প্রদিশাতত বাচি স্বাহাক্তত হবিরদম্ভ দেবা: । ৩৬ ।

দেবা হবিরদন্ত ভক্ষরন্ত। কীছুদাং হবিঃ। অন্তারেঃ বাচি বাগিজারোপলন্ধিতে মুখে আছাক্ষতং স্বাহাকারেণ হতং। কীছুদান্তাত । হোতুঃ দেবানামাহবাতুঃ। প্রাহিদি পূর্কাদিনি গুড়ত 'ঝ গড়ে)' আহমনীরাজনা স্থিডত। অন্ত কক্ষ। বোহারিঃ পদ্যোজাতঃ উৎপরঃ লন্ যক্তং বানিমীত বিশেবেণ নিরমাং। যক্ষ দেবানাং প্রোগাঃ অগ্রগামী সুখ্যোহতবং। পুরো গক্ষতি পুরোগাঃ। বিটি প্রত্যারে 'বিজ্নোরন্থনালিকতাং', পাত ভাষাই) ইতি মন্তাজারঃ ৪ (২৯ ল্লাভ্ডক) ৪

मश्रक्तिंशी क्रिका।

(क्छूर कुदन्नक्छरव (भरमा गर्या। व्यर्भम्म। ममूर्यक्रतकान्नवाः। ०१ ॥

व्यक्तित्व निष्ठ विष्ठ विष्ठ विष्ठ । एक व्यक्ति विष्ठ विष्ठ

क्यांमर इसन् क्रूक्तन। निकक्षिमाखाम् । माखि (भनः क्ष्यर्पर प्रम म व्याप्तामाः खरेषा व्याप्तामा वर्षामा (भनः क्ष्यर्पर क्रूक्षम् ॥ (२৯वन - ७१कः) ॥

वकेतिः नी किका।

্। ভীষ্ডভেৰ ভৰভি প্ৰতীকং বৰন্ধী যাভি লমদামুপভে।

व्यमानिषम्ना छवा व्यम्न वर्ष्ट्र म वा कर्षाता बिह्ना निशक्ष । ७৮ ॥

क्षिण्य विश्व विषय स्वर्णिय स्वर्णेय स

अटकानम्बाधिः भी कश्चिम।

वचना श्री वचनाजिर जरमम वचना कीखाः नमरमा करमम ।

(वकः नत्वात्रभकायः कृत्वाक्ति यवमा मर्काः श्रीकरना करत्रम । ७३ ।

वश्रः स्वरक । वयमा मञ्चना क्रषा वत्रः त्रा (वर्मः व्यवम । धवमा व्यक्तिः विव्यक्तिः विव्यक्तिः विव्यक्तिः विव्यक्तिः विव्यक्तिः विव्यक्तिः विविद्यक्तिः विव्यक्तिः विविद्यक्तिः विविद्

क्षातिःनी किका।

नकाकीरनवानमीकि कर्वर खित्रण जवान्नर अनिवक्कामा।

त्वारवय निक्ष्ण विकलार्थि वयम् का। देवल नवस् नावस्की । ६०॥

क्या चूपरक। देशर का। पदम पदमि वस्ति कावितकका केनिय विकारिका में विकारिका अवाक्ष्यक केंद्र है। त्रिक अवाक कि अवाकिः हो। बद्रिका केंद्र वादिकाः (वाव व अव्य हिंछ द्वर । का हैव । त्वारवन ववा त्वावा काविनी कावूकरखनावानाकर ववाक अवविव्यविन ह चींपृत्ती का। जबरम मरखारम नात्रमणी। 'नात्र क्रीत कर्यमगरखी' व्यवस्था । नरखायाद्यान सम्बी निवाद सूर्यकी छ। वं हे वर मा। व। वा। कर्वनामनो गाँछ व्यास्त्र है। मही साह ह कर्षर क्राकार्वभावव्यक्ति। यह व्राक्त भाषाः ज्ञानः। कोष्ट्रमे स्टब्स्कारक। वक्राक्षीय वक्क विक्किता । जात्वार्णि वक्क विक्व कर्षर खन्नाशक्ति । विश्व ववात्रविष्ठेर विवार वावज्ञ वर निविच्यामा चानिक्को । चटका नार्वाह चना (अ) वांक विचर । हेर नावभूवनार्वः ॥ ६० ६

जक्रवादिता काळका ।

व्यक्तिको नवरमम (याया भारखय भूत्वर विक्रुषांभूभरस्।

नकाष्या ठाष्ट्र नश्विषादम जार्षी स्टम विक्रूतको जमिकान । १३ व

बक्रारमाठी जुरवरक । एक व्यनिएम हेरब जार्मी जार्मो बन्नारकाठी छेनएस छेरनएस ष्याकारण निक्षार पात्रप्रकार प्रतिष्ठि (प्याः। कतः प्रदेशकः। भाका भूवांमय यथा क्यमी युक्रम्दन्त विक्रिकि कवा वक्षम् व्यवस्था हार काकृत्र हार ह। कोकृत्यो व्याहत्रही व्याष्ट्रम् व्याप्ति वाम्रकः व्यक्तिः अति मुक्षासः। नवमा त्याया केव यष्टमशाकाष्ट्राह्मः वयमा नमामरमक् राक्तिकः मरमा यरबारक वमनरनो । विकरक्किर्दारम्यः । द्याट्य खिद्यो वथा काख्याभक्ष । नर्रियादन नर्रियाटक एक नर्विथाटक 'मध्या भिन-? (भा• २१० २३) देवापिना पानक्। भक्षात्र पद्यक्ष क्रिशाता वाववान पद्यत् व्यक्ति विक् वृत्ती केवाबर क्र्वार्य । (२३व-८३क) ।

विष्ठभाविःणी किल्ना।

नूखां ज्ञा करवां जि

हेवूनिः ज्याः भूकनाक प्रकाः प्रके निगर्का क्यांक व्यक्तः । ३२ ॥

हिंबूनिक कृत्रक । व हेबुविक कूटना वस्त्रामाध्य नार निका नानका वटका नानाकातिका णश्चित्र (मक्ष्या न्यान वापन वृद्धः । नापन वृद्धः न्या विद्या । ने स्वत्र व्यापकः विद्या

काकोम्नार भविभागर भनाग्रह मनः भन्ताप्रश्रम्ब त्रमाप्रशाहण

व्यक्ति नार्त्रशिव दिन त्राम्यः क्र्यस्य। व्यन्ति श्वात्रां स्वात्रां स्वात

हरूँ क्षां थः शो कालका।

कीखारकायाम् क्षयक व्यागरवार्षा व्रामकः नद् याक्षव्यः।

जनकाथकः धार्यप्रतिवृश्चि जकः । त्रम्यग्रहा । ३० ६

शक्षां किरणी किष्मा।

ब्रवराह्म हिन्द्रज नाम स्कास्पर निहल्लम मर्च।

ख्या त्रवचून नग्राण् नत्म नियारा वर्ण स्थमभगानाः ॥ ॥ ॥ ॥

विकार्य तथा खुन्न । ज्ञान । तथा । तथा । तथा । व्याप । विकार ।

बह्दशातिरणी किशा

ভাত্যত গলঃ শিভরো গমোধাঃ কুচ্ছে শিভঃ শস্তীবজ্ঞা সভীরাঃ।
ভিত্রদেনা ইযুবলা অমুগ্রাঃ শভোগীরা উর্বো ব্রান্তশাকাঃ। ৪৬॥

म्वर्ताःगान् (छोछ। मेहना नदा विभावः द्वर्ताछाद्दा छर्गस्छ (नदः। कोहनाः।
चाक्रमश्मकः चाक् स्वरं यथा छ्या मश्मितास्य एक माक्रम्भकः। गिछतः भाष एक
विस्तरः स्विक्तिः। वर्तावाः वरसार्त्रमास्या वर्णा वादसाक वरसायाः। कृष्णि व्यक्तिः
विश्वाकः भाषः। कृष्ण् कर्छ व्यक्तिः विभावः वरसायः। कृष्णि विभावः। कृष्णि विभावः। कृष्णि विश्वाः। कृष्णि विभावः। कृष्णि कृष्णि वृष्णि कृष्णि वृष्णि वृष्णि

विश्वाति , को क्या कि विश्वात । जी क्या की कि का क्ष्य कि विश्वाद कि कि क्ष्य की कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि

मख्डवादिःके काकका

खास्त्र । विश्व द्यायानः । व्यत्य द्या छावार्ष्यको व्यद्वस्त्रा।

भूम नः भाष् श्रीवश्रम् अका सांक्रता व्यापन्य में केन हर ह

व्यक्तिवावरनी काक्ष्मा।

भूगर्क वरक मुत्रा अञ्चाहरका त्याचः मरमदा गर्डाड डाङ्का ।

का वर्ष के ह हि है जिश्व का जानकाषित ३० वर्ष प्रण्य विव १ १० है

वहकावशकानी कृषिका।

थकोटक निवद्धास (नारमा करके मकके ।

(मारमा जिस्तिनोष्ट्र त्याव्विति । विकास विश्ववित्र । विकास

बक् नवना विविश्वाशि ना बक्षीकः वित्यान वार्षः। (व बक्षीर बक्ष्मिविकः ह्य हैर्या, त्मार्थान् भाववक्ष्यं भविवर्ष्यमः। व्याद्या वर्ष्यक्षः। क्रिक त्मार्थाकः बक्ष्यः महीवर व्यथा भाववक्षाणुकः वयष्ट्रः। त्यानः त्मार्थामिवदिनोष्ट्रं व्यक्षिः। व्यक्षिः हिर्माक्षां व्यक्षं स्वरं वष्ट्रं वदाष्ट्रं वदाष्ट्रं । (२००---००कः) ।

Mala 4 (84) F

जाककारिक जार्चियार कदमीर । केनांकपुरक

व्याक्ति व्यत्करमार्याक्मभद्य ८०१वम् ॥ ६० ॥

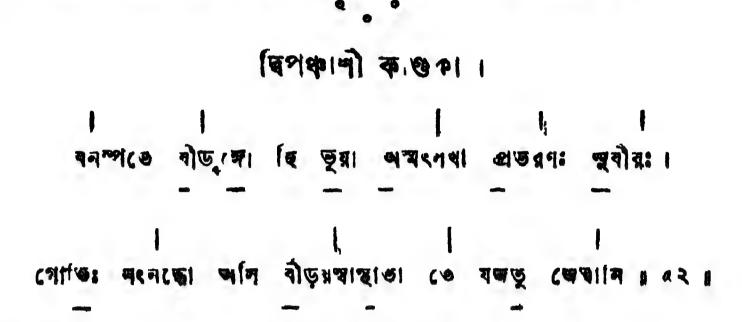
वा व्यक्ति। क्या व्यक्ति क्ष्य । 'वय भरको स्मार्थ क्ष्यो। व्यक्ति व्यक्ति क्ष्यो क्ष्यो । स्व व्यक्ति क्ष्यं क्ष्यो । स्व व्यक्ति क्ष्यं क्ष्यं । स्व व्यक्ति व्यक्ति

विक्रमणा किवा।

व्यविदित एकाट्रेश्वर बार्खाक्ष नासर कामा (दक्षिर असिरावमानश

स्वाक्षं विका व्यूनांय विद्वाक्ष्म्यायम् व विद्वाक्ष्म्यायम् व

े एकप्रं क्रिका नह बिहुका इत्य विद्वा कि इक्षाः (निका ना विद्वा विद्वा



ভিশ্র ঝটো রথদেশভাঃ। ছে বনম্পতে বনম্পতিবিকার কাঠময় রণ, 'রুৎসবিরিগমঃ' (বিরুক্ত হাত)। ছং বীড় কঃ দুটাকো ভূশঃ ভব। বীড় নি অকানি ষভা। কীলুলঃ। আত্রণঃ এতরভি শংগ্রামশারং গছিভি প্রতর্পঃ। স্থারঃ শোভনো বীরো রণী যত্ত। কিঞ্চ হে রণ, হ৹ঃ ছং গোভিঃ শোবিকারৈশ্চর্জাভঃ শয়দ্ধঃ মৃত্রাহিশি অভা বীড়রশ্ব আ্লানং ওস্কা। কিঞ্চ তে তবাস্থাতা আরোটা রণী জেয়ান জেহালি রিপুধনানি যজতু। ছি শালপ্রণঃ ॥ (২৯৬–৫২ক)॥

ব্রিপকাশী ক গুকা। বিবঃ প্ৰিবাঃ পর্যোজ উদ্ভং বনস্পতিছাঃ পর্যাভ্তত সহঃ। বিবঃ প্ৰিবাঃ পরি গোভিরারভাষজ্ঞ বজুত হবিবা রবং যভা ৫০ ৮

एक विषयि।, जिर विविध क्षा अवर वका कोषुनर अवर। विनः द्राणांकार पृथिवाह क्षा क्षानाद भर्षे के कर नवलाह का किष्ट का क्षानाद का का विवाह का किष्ट का विवाह का व



क्ष्रिश्माना क अकः।

ইপ্রস্থ বজ্ঞে। মরুভাগনীকং মিত্রস্থ গর্ভে। বরুপ্রস্থ নাঞ্চি:।

লেশাং নে। হবাদাভিং জুবাণো দেব রব প্রভিহ্ব্যা গৃভার ৪ ৪ ৪

হে রথ হে দেব, ল ঘং হ্বা হ্বীণাব প্রাত্যুতার প্রতিগৃহাণ। কীলুদঃ ঘং।
ইক্স বন্ধ: বজ্ঞোৎপর্মধান। মক্রতামনীকং মুখং মুখ্যঃ দেবানাং জয়প্রাপক্ষাং। বিদ্রুপ্ত
দেবত গর্ভ: গীণাতে জ্মতে গর্জ:। গ্ণাতের্জপ্রতায়:। ক্রেণি জ্য়মানঃ। বক্ষণভা
নাভিঃ নভাতেহরির্জ্রতেহনেনেতি নাভিঃ 'নভ হিংলায়াং' ইণ্প্রতায়:। বক্ষণভা হ্বনলায়্থয়ং।
নোহ্যাক্ষমাং হ্বাদাভিং হ্বিধাে দানং জ্বাণঃ শেবমানঃ। দোমাামভাত্র 'লোহ্ছি
লোপে চেৎপাদপুরণং' (পা০ ৬০১০৩৪) ইতি লক্ষিঃ। গৃক্তায় গৃত্তের দ্বার দ্বার
লানভ্রেণি'-(পা০ ৩০১৮৩) ইত্যক্রভা 'ছন্দান লামজাণ' (পা০ ৩১৮৪) ইভি ছৌ প্রে
দ্বাপ্র লামজাদ্দেলঃ হতা ভন্ট। ১৯ল-৫৪ক) ম

भक्षभकानी किखना।

উপধানর পৃথিবীযুত্ত ভাং পুক্রো তে মত্নভাং বিটিতং অগং।

ल क्ल् जिल्ला (करेनर्क्ताइनीट्या व्यन्तिय मकान्॥ ८८॥

खिल बारा द्वाल (विश्व कार्राः) (विश्व कार्राः) (विश्व कार्राः) विश्व कार्याः विश्व कार्यः विश्व कार्

बहुनकानी किका ।

ए इन्हरण, वर वनर व्यव्दिनश्चमाळ्यम (मानम। ननामस्यर प्रशिष्ठाः नर्स्य एखा इत्राप्तम् । ननामस्यर प्रशिष्ठाः नर्स्य एखा एखा एखावः एखाः व्यापार व्याप्ति (वादः प्रशिष्ठाः व्यापार वायमार्थाः । राष्ट्र वायमार्थः । विक हेर्ष्णाव्यव्यव्यः । विक हेर्ष्णाव्यव्यव्यः । विक हेर्ष्णाव्यव्यव्यः । विक हेर्ष्णाव्यव्यव्याम् । व्यापायः व्यापायः व्यापायः । व्यापायः । ववः विक्षणः वृद्धः विक्षणः विक्षणः । व्यापायः विक्षणः विक्षणः । ववः विक्षणः वृद्धः विक्षणः विक्ष

मख्यकान कां PI

वाम्स्य काका।वर्षात्रमाः एक्ष्यक्ष्माच्यानवोश्वि। नथपवर्गाक्या

८मा वरतार्याकविक स्वित्मा व्यवस्था । ८१ ॥

द् हेख, जम् नक्कानाः स्था जस मथकार गरिताम 'जम भिष्ठ भगराः'। श्रका कुन्छिः (क्ष्म्य क्षकानर यथा वानमीकि जकात्वर वनाव जव हेवाः जमरामाः क्षकावर्षप्र जमर क्षानमाः क्षकानम् । किक् माध्याकर ममः (यापाः नकशितः। कोष्ट्रवा ममः। जम्मानः विकास गर्भः। क्षमानः विकास गर्भः। जम्मानः विकास गर्भः। जम्मानः विकास गर्भः। जम्मानः विकास विकास विवास क्षमानः विकास विवास क्षमानः विवास क्ष

अक्रीनकानी किल्ना।

व्यारबद्धः कृष्णश्रीनः नावचा दिवी चळः लोगः लोगः जावः निजिन्दं

वार्षण्य हा विद्वा देश्वरंक केट्टार्क्ट्रिया माक्टः क्वाव केट्याबः

मा (परकार्रवामावः नाविरत्वा वामवः कृषः अवनिकिवाद्ववः। १४०॥

অর্থনের ফার্ছনির 'বে তেনৈতে একার্যনির্ভানিত্তিতি' (পাত ১৩) ১৩।১০৩)
ভরোরেকার্যনির্ভানি পশ্বক্তন্দেরভান্ত কভিকার্যরেমাচান্তে। তেনেয়ানি প্রাক্ষণবাদ্যানি
ক্রব্যবেক্যপ্রভিপার্যনি মভূ ষয়াঃ। কৃষ্ণা গ্রীবা বন্ধ প কুষ্ণগ্রীবঃ পশুরারেয়ঃ অরিবেব্ডাঃ
(১০), থেবী পারস্বভী পরস্বভীবেন্ডাকা (২), নক্তঃ পিজ্বন্ধঃ পর্ত্তঃ বোর্যা লোম্বেব্ডাঃ
(০), স্থানঃ কুষ্ণার্পর পৌকঃ পূর্বেব্ডাঃ (৪), বিভি প্রান্ধং পূর্তং বন্ধ ল বিভিপ্তঃ বার্ত্যপ্রভাঃ বৃত্তমন্তিরেরভাঃ (৫), বিভিন্তনির্বা বৈশ্ববেশঃ বৈশ্ববেশ্বভাঃ (৬), অক্রবং বন্ধার ইক্রবেশ্বভাঃ (৭), ক্র্যাবা কর্ম্বরো নাক্রভঃ মক্রন্দের্বভাঃ (৮), সংহিতঃ দুঢ়াক্য ঐক্রান্তিঃ ইক্রান্বিবেন্ডাঃ (১) অধ্যোরামঃ অব্যোদেশে বেডঃ লাবিনেঃ স্বিভ্রেন্ডাঃ (১০), একঃ বিভ্রেন্ডাঃ পালে বন্ধ ল একলিভিপাৎ একপ্রে স্বেভান্তন্ত্র কৃষ্ণঃ পাজে পদ্ধনীলো বেপ্রান্ পঞ্জঃ শাক্রণঃ বন্ধবন্ধভাঃ (১১), এব্যবন্ধান্ধ জান্তাঃ ৪০৮ র

প্রকোনসন্তী কণ্ডিকা। অৱবেহনীকবতে রোহিভাঞ্জিরনজ্বানধোরামো লাবিজ্ঞো পোঞ্চো রঞ্জনাতী বৈশ্ববেধী পিশকৌ ত্পরো মারুজঃ কল্মান আংমরঃ ক্রফোহজঃ লার্লভী মেনী নারুনঃ পেন্যা ৪৯॥

विजीदेशकाविकी निकास नाम । (ताहिट्छ। तटकार खिकिन्छ। यक (नाइन्छ) मृत्य स्वाहित्य कालकाः। क्रिके मृत्य देन अर वा यक (नाइन्जियान छटेच), क्रिका वा विकास क्रिका क्रिका

বৈরাজ্যভাগে পর্ক্রণ রুল্পভরে পাঙ্কার জিপ্রার চরুঃ
বিরাজ্যভাগে পর্ক্রণ রুল্পভরে পাঙ্কার জিপ্রার দাকরার চরুঃ
লিজ ঔফিহার জনজিত দার বৈবভার বাদশকপালঃ
আআপভালকর্নিভা বিশ্বপজ্যৈ চরুরগ্রে বৈখানরায়
ব্রিশ্বপালঃ ১ ৬০ ৪

'ब्बबाशीरवामीत्रक अख्रभूरत्राष्टाव्यमञ्जलवारवा बर्च्छीन्निस्त अखीक्षा अक्रमा 'क्षमाक्षिवह विस-मक्षािष्ठिर निकार नरे के जि सम् छ। पन्हिकार निमः (क्षष्ठि: कि जि क्षां (पन्छ। हरी वि চাए। देशाक्रिन बाम्मननाकानि न मञ्जाः। कारायक्षेत्रकाक्रानः प्रतिष्ठामः कार्याः। व्यष्टेश्र क्रभारतम् मः क्रु । १ क्रोक भागः 'क क्रिकार्या छ त्रभगमा हारत ह' (भा० २। ५ ४) हे जि ममानः । 'बाहेनः कुभारम हिविषि' (भा- ७।०।८७। हेन्डाहेन्यस्थ कोर्यः। कोब्र्याम्राधरम्। भामाताम् পায়ঞা। ভভায়। ত্রিব্রতে তির্বজ্ঞোমেন ভভায়। রাপভারার রপভারশায়া ভভায় (১), इक्षांत्र अकाममकनामः भूरताष्ठामः मभागः भूतंनरः कीमुमात्र हेस्यात्र। देखहे छात्र खिष्टे च। ख्रांत्र नक्षप्रमात्र नक्षप्रमारखामखनात्र नाई जात्र वृत्रद्रात्र वृत्रद्रात्र (२), विर्वेष्णाः (मरमछाः चामभक्षभागः भूरताछानः। कोषृरमछाः। कागरछछाः क्षमछा। हसमा खरछछाः मक्षम् त्यकाः नक्षम् वर्षामक्षरक्षकाः देवत्र भगामक्षरक्षकाः, (७), भिकावक्रमाकार भन्नका भन्ननि विकः कोषुनाजाामाञ्चरे त्वार वक्षे वा बढाजाः এक विश्नाजात्मक विश्न (खाम खडाजार 1 বৈরাজাভাাং বৈরাজনামস্কভাভাাং (৪), রহম্প চমেচর:। কীদুনার পাত্তায় প**ত্**তি-क्ष्मना खुकान किनवान किनवास किनवास माक्तान माक्तान माक्तान पाकत्मामखुकान (e), निरात बाह्म-चनामः भूरताणामः । कोषुनात निरद्ध । खेकिहात छेकिक्इमना खनात्र व्यवस्थितमः एखामख डाप्त देवन छात्र देव न छ नाम ख शत्र (७), अवर इन्तः एखामनामन दिखान वर्षे (वयान छिनास हजूतः (क्वणानाव । প्राक्षाण बाष्टकः अवाण बिर्वण काण्डकः कार्याः (१), विकूणरेखा व्यक्तिरेखा क्तर्तिन (৮). देनचामद्वाध देनचानतक्षणीतांषश्चाद्वाद्वाद्वात वालनकनानः भूत्ताकानः (৯), व्यव्यवेद्धा ८४वछादेश व्यक्षाकणानः भूरताषानः कार्याः (१०), वामनवानवा०८वटहार्कवछ।व्वीरश्वांन व्यवस्थान-পরোগদারকান পরিছে। অঞ্জাদ্ধেদিকে। হণার টাত কাভারনোকে: অকুক্রমণ্যং a ৬০ a

वेखि मानानिनोप्राप्तार नाकन्यत्रमरांक्षाप्राप्तातिरस्वाव्याप्ता । २३ ॥

व्यामारी पत्रकृत्क द्वलकारण भरमार्थता विकास सम्मादिक र्गटकार्या रहा विकास सम्मादिक र्

यक्दर्यन-मश्रिजा।

---- co *§10 # 015*u

[শুক্লযজুর্বেদ — বাজসনেয়িদং ছিতা।]

जि९८ नाइशासः

अथमा कालका

্লেব দবিতঃ প্রানুব যজাং প্রানুষ বজ্ঞাপতিং ভগায়।

किह्नाः शक्कार्यः त्कालभः त्कालः त्यालः नाम्याल्या नाम्यालिकारः नाः चक्कार्यः । अ

चिन्नी सा किला।

खरमानजूर्यदानार कार्ता (मनक मैमहि। निरद्या त्या सः कारहामग्राह। २-४

प्रक्रीमा काश्वना ।

বিশ্বান কেব লাকভর্দ্বিভানি পরাহ্ব। যন্ত্রণ ভন্ন আহ্ব। ৩ ৮

ছে দেব পৰিতঃ, বিশ্বানি পর্কাণি ছবিভানি পাপানি পরাত্মব জুবে গণর। বস্তুত্রক ক্ল্যাপং ভয়োগ্যাণ্ প্রতি আত্মব আসময়। (৩০৩— ৩ফ)।

क्यू किका म

विकक्षात्रण स्वायद्भ वर्गाण्डलक द्रावनः। नविद्याद्भ नुहक्षनम् । ॥

स्त्र विकार स्वावर व्यावर व्याव्यक्षायः। किस्कृष्टः। वर्णाः वानित्रकृष्टिख्य नागाविषयः।
स्वावनः व्याव विकार विकार विकार वाठावरः। बुठकंतर नृगार खहातर व्यार्थात्राः। सः सः

शक्यों कालका ।

ख्यारण खामार कालाम सालकः मकरहा। देवकर छणाण मृद्धर छम ७ इतर बातकाम बोन्न र गाण्युरन क्रोनमाकमामा जारगाश्रूर कामाम श्रूणकण्मिकक्रिया माण्युर ६ ६

क्षणः नत्रः भूक्ष्मरविष्णः भाषाः क्षा क्षात्रात्रभारशः। क्षणः क्षाक्षिम् गरिक्कहमकाव्यातः नियुक्ष आञ्चाविष्णे हेठवादिः वर्णः वात्रः भूक्ष्मान् वर्णाः व्याप्तः विष्णः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः व्यापत

मश्ची कालका।

, बुकाश एकर शिवास देनम्बर वश्वास मछ। हत्वर मात्रकार्य कोमनर सन्धास (त्रकल, बनास कारियानन्त्रास खोत्बर ख्यादन क्रूयातो पूजर (य्यादेस

व्यवसावर देश्याम क्यामम ॥ कृष

मुखान एखर खाळागार कालमाळाळ: एकः >> गी नाम देनन पर नहेर >२ वर्षान नकाहर्म वर्षाम प्रकार कालमा कर कर निर्माण कालमा खायपर खिन्ना प्रकार २० व्यापन वर्षाम कालिए ३० व्यापन खायपर खिन्ना कर ३० व्यापन क्रियान कालाहर ३० व्यापन खायपर खिन्ना कर ३० देवरान ख्राम वर्षाम कर ३० देवरान ख्राम वर्षाम वर्षाम कर ३० देवरान ख्राम वर्षाम वर्षाम कर ३० देवरान ख्राम वर्षाम वर्याम वर्षाम वर्

यखना क्षिका।

खगरन दकोनानः साम्रादेत्र कर्यात्रण् द्वागान्न सागकात्रण् खुटळ सम्राद्

व्यवामा इवेकायक (६८०) वज्ञायः क्षायः क्षायः व्यवामा

द्रस्त्रकार मृज्यत मृगध्यकाम वावनम् ॥ ६ ॥

बाह्यी क लिका।

বদীতাঃ পৌঞ্চিম্কীকাভো নৈষাদং পুরুষণাদ্রায়থ পূর্বণ গর্কাঞাছে।

আন্তঃং প্রায়ুগ ভারতে পূর্বিদ্যাহিপ্রভিপদময়েভাঃ কিন্তবদী

ব্যভায়া অকিন্তং শিশাতেভো বিদলকারীং বাভ্গানেভাঃ কণ্ট কীকারীম্ । ৮ ।

মদীভাঃ পৌঞ্জিং পুঞ্জিটোইউজে পুর্বসন্তদপতাং ০১ বাদীকাভো। নৈষাদং নিষাদপুত্রং এ২ পুরুষবাায়ায় রূর্মানমুমুত্রং ০০ গল্পপ্রিপোডো। ব্রাতাং নাবিত্রীপভিত্তং ৩৪ প্রযুগ্,ভাঃ উন্মন্তং ৩৫ নর্পনেবল: পপ্রতিপদং প্রতিপদ্ধতে দাভানীতি প্রতিপৎ অভণানিবং বিকল্মিতার্বঃ ৩৬ অরেজাঃ কিতবং দাভকারং ২৭ ট্রাভারে অকিতব্যদাভকুতং ৩৮ বিশাহেভাঃ বিদলকারাং বংশবিদারিবীং বংশপাত্রকারিবীং ৩৯ যাতুধানেভাঃ কণ্টকীকারীং স্পর্কিকী কর্ম ভৎকারিবীং ৪০ ৮ (৩০ শ—৮ক) ।

দ্বন্ধে আরম্পণভিং ৪১ দেহার উপপতিং ব্যভিচারিশং ৪২ আর্ট্রা পরিবিত্তং উচ্চে ক্মিটেং নৃতং ৪০ নির্দারিকা পরিবিধানং জন্চে জে।টে উচ্চান্তং ৪৪ আরাগৈ বেইবা এলিগিয়ুঃপজিং জোষ্ঠারাং পুরোমন্টারায়ুটা এলিগিয়ুঃ ভংগভিং ৪৫ নির্দ্ধিতা পোদারারীং স্থাপক্তীং ৪৬ লংজানার শরকারীং কামদীপ্রিকারীং ৪৭ প্রকামেরার ভংগভার কেনার উপদীরভীত্বং পর্মাণিছভিতং ৪৮ এভানরিটে নিযুনজি। অথ বিভীরে ছেনে। বর্ণার অপ্রক্রমং অপ্রক্রমাতে ক্রুলরভী তালুকং ৪২ বলার উপদাং উপদ্বাভীত্বা প্রায়েশ্বার্নর্ভারং ২ ৪ (৩০ ৯ক)।

मध्यी क किना।

উংশুদেভাঃ কুজাং প্রাধান বামনং দার্ভাঃ ভামত অপ্রাধান্ধণর্মার ব্রিয়ং

भविद्धान्न किरकर श्रकामान्न मक्रकनर्भगाषिकारेन श्रीन्त्रम्भिकान्न

উৎলাদেভা: কুজাং বক্রাজাং (৩) প্রামুদ্ধে বামনং হ্রাজাং (৪) ছার্ভা: শ্রামাং ল্রাজার জ্বাজার বিশ্বরং কর্ণেন্ত্রের হানং (৭) পবিত্রার্থ্র ভিষজাং বৈত্তং (৮) প্রজ্ঞানায় নক্ষত্রদর্শিং নক্ষত্রাণি দর্শান্তি ভং গণকং (৯) আজিমান্ত্রৈ প্রশ্নিন জিলার নক্ষত্রদর্শিং (১০) উপলিক্ষারে অল্লিপ্রশ্নিনগভিপ্রশ্নিন ভিত্তার্থর প্রশ্নিন ভিত্তার্থর প্রশ্নিন ভিত্তার্থর প্রশ্নিন ভিত্তার ব্রুদ্ধে। মর্বালিটের প্রশ্নিবাকার ক্রভানপ্রশ্নাক্তার্থর বিবিন ভিত্তার ক্রভানপ্রশ্নিন ভিত্তার ক্রভানিক ভানিক ভিত্তার ক্রভানিক ভিত্তার ক্রভানিক ক্রভানিক ভিত্তার ক্রভানিক ভিত্তার ক্রভানিক ক্রভানি

। किछाक निषमा

भ (र्म्बरका। इक्तिनः क्रवामाधनः भूटेबर शानामः नीर्यामाविभामः एक्करम्ब-

भागितारेष कोनानः कोनानाम ख्राकादः छ्याम गृहण्ण्

ভারতে বিভেগনাধাক্ষারাভ্রকভারস্থ ১১ ৪

जात्मी हैं खनर भक्षमानकर (२) कनाम व्यय ए ठ्रमणानकर (०) भूदेहें। (भाभानर रमक्षणानकर (८) विवास व्यवनानर (८) एकदम अक्षणानर (७) हेतारेम कीमानर क्ष्रकर। 'कीमान: कर्ष् क स्मर्थ (५) कोमानाम प्रवासकातर महक्रकर (৮) कमान गृहनर (ग्रहणानकर (৯) (म्राप्त विकार किष्ठ प्रवास विकार विकार कर्षातर भक्षक्रकर (৮) कमान गृहनर (ग्रहणानकर (৯) (म्राप्त विकार किष्ठ प्रवास विकार विकार

षाय्यी किश्वका ।

ভারৈ কান্দালার প্রভাষা অধ্যোগ শ্রমুক্ত নিষ্টপায়াভিষেক্তারং করিছিল মাকার

. अतिर महातः देववर्षाकात्र रभावतातः सङ्ग्रह्माकात्र क्षकतिखात्र (**मर्क्सर्**का

(जारकका উপলেकातबनकटिका नवादबानथिक्कात्रर त्यथान वामः-

भक्का और क्षकाशांत्र तक किली म् ॥ >२ ॥

च्चित्र विष्ण क्षित्र क्षिण क्षित्र क्षिण क्षित्र क्षिण क्षित्र क्षिण क्षित्र क्षित्य क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्त क्षित्र क्षत्र क्षत्र क्षित्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्

खाः मामनी किना।

खकरम रखनखन्मः देनत्र क्छा। म शिक्षनः विनिदेख्या क्या चारा विनिद्या क्या चारा विनिद्या क्या चारा विनिद्या क्या चारा विनिद्या चिन्न चिन्

লোকাল ভাগত্বং বর্ষিটারমকাল পরিবেটাল্লন ১৩।

चक्रम (क्षमञ्चक्षः (क्षमद्भा क्षमंत्रः यक्ष कः >>। चन नक्ष्य गुरन। रेनत्वक्षात्रः निक्षनः नत्त्वक्षण्डनः > विनिर्देक्षा क्षमात्रः अकीन्त्रः २ केनव्रह्मोत्र कक्ष्मकात्रः अविव्यत्ति-



देनकरें। ७ वर्णांत्र व्यक्षकार (मनकर 8 कृष्ट्र लिकक्षि कर ६ श्रिवात्र श्रिवनाकिनः मध्य नाविनः ७ व्यतिटेश व्यवनाकः व्यवाद्यांवः १ वर्षात्र (लोकित्र कानक्षर कानः कृष्ट कानक्षकः निकानशानः मर्विक्षात्रनात्र नित्रक्षेत्रः ॥ ३ ॥ ३ ॥

७ क्लनो किका।

মঞ্বেৎরঞ্জাপং জেলাগাল নিলয় যোগাল সোভারত লোকালাভিস্ভার্থ

ক্ষেমার বিধে।জ্ঞারমুৎকুলনিক্লেভাল্লিন্তিনং বপুনে মানত্বতা

भीनाभाक्षनी कात्रीः गिर्वाटेडा क्लामकात्रीर यथाभाष्ट्रम् ॥ ১৪ ॥

মঞ্জবে অমুন্তাপমমূলপং লোগভাগকং ১০ ক্রোণায় মিলরং নিজরাং লর্জারং ১) বু
আব বটে সৃপে। যোগার যোজনারং যোগকজারং ১ শোকার অভিনত্তারং লক্ষুণভাগছন্তথ হ ক্ষোর বিমোজনারং বিষোচনকরং ৩ উৎকুলনিক্লেল: াত্রিজিনং ত্রিরু ভিউজীজি ভিজী তং বিভাগিরু স্থিতং শীলবল্ধমিতার্ব: ৪ বপ্রে মান্ত্রতং পুলায়া অভিমানত বা কর্ত্তারং। পক্ ছান্দসঃ ৫ শীলায় আপ্রমীকারীং অপ্রমণিতাক্তাং ৬ নিব তৈত্ত কোলকারীং অভাত্তাবরণং কোলত্তব্দারিবাং জ্বিরং ৭ যমায় লমুণ ন প্রতে লা অসঃ ভাং বন্ধাাং ৮ ৪ ১৪ ৪

भक्षमणी कालका।

को बत्री। भवरन ताम्रा किन तार नरन वाम्र निक कार्या परन वाम्र

यमात्र व्यक्त भूत्राध्यानिकोर त्र, व्यक्तिकार राष्ट्राच्या । व्यक्तिकार २० वर्षण्याञ्च वर्षात्र वर्यात्र वर्य वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्यात्र वर्षात्र

'ब्रमहाम विकर्षमार धिविजयत्रीयार ६ मरवर्णमात्र पणिकोर (वेडएकमार ४ क्यूकार 'क्यिमणक्र प्रतिम्हा बायर ७ मार्याकाः प्रतीम प्रतिकानिकयर १ ६ (७० ज – ५८ क) ह

(भाष्-ो किखका।

পরোভো বৈধরমুণছাবরতের পাবং বৈশ্বতো বৈশ্বং ন্ত ্রলাভার

বিশ্বরাজন পারার মার্গারমকারার কৈমর্বং ভীর্বেন্ডা আন্দং

বিষ্বেন্ডো বৈনাল্ স্থনেডাঃ পর্বাবং ভ্রাভাঃ কিরাভ্যু

निया दिवसर देक नर्खा निया । कि श्रामा श्री साथ । स्वाप्त स्वा

मश्रमणी किशा

वीक्शारित (शोकनर वर्गात्र हित्रगुकातर हुनारेत वाशिकर शकारकावात्र भागिनर विरुव्यका ह्रिक्काः निम्ननर हृहेडा काश्रत्रगमक्रेका जनमारेका बीज्यादि '(गोदमर मूज्यामजार > वर्गात्र वित्रगुजात्रर ज्यमिन्नावकर > क्लादि सामिक्य प्राण्यार >>। जय नयदम मृत्य। गण्यादात्रवक्षर प्राप्तिमर '(प्री स्थादार' ज्यादे > निर्वरजा कृष्टजाः नित्रमर नित्रावादात्रवक्षर र कृदेज जानवनरं जानिक्षर - जक्टेजा जनमर नित्रमर जमान वर्षि कर र मादि जनगण्यार क नरमतात्र अधिक्षर अध्याप्त कर्मान वर्षि कर र मादि जनगण्यार क नरमतात्र अधिक्षर अध्याप्त कर्मान वर्षि कर र मादि जनगण्यार कर्मान स्थाप्त स्थाप

बहुं। ननीं कि खिका।

भाभाषात्र किञ्चनः क्रुडावाधिननवर्षारे (खडादेव क्युज़र पानवावाधिकविनवाककात्र-

क्षणाचानुः मृत्राद्यः (भागाव्यमक्षकान्नः (भाषाकः क्रूट्मः (या भार विक्रकक्षः क्षिक्रमानः

উপভিত্তি ভৃত্বভার চরকাচার্বাং পাপানে গৈলগণ । ১৮ ॥-

জন্মবার কিন্তবং ধৃর্তিং ৮ কুন্তার আলিনবর্দার আলিনবর্দার প্রেরিক প্রেরিক পঞ্জিত ভবাজুত ৯ ব্রেডারে করিবং করাকং ১০ দাপরার অলিকারনং অলিকারনং অলিকারনং ভারিক ১১। জন্দ দলমে বৃশে। আল্লার সভালার্গণ্ সভালাং ছিরাং ১ বৃজ্ঞানে পোনাক্রং গাঃ প্রেডি গ্রমনীরং ২ অন্তক্ষাত্র- গোবাজ্ঞান গানা ইলারং ৩ কুনে বো গাং বিক্তজ্ঞাক উপভিত্তিত বং পুনান গাং বিক্তজ্ঞাক জিলারণ তিলারাক উপভিত্তিত ভবাজিনার জিলারক জিলারক

क्रकान[राणी किका।

প্রতিশ্রুত কারা অর্থন খেলার ভ্রমন্তার বহু বালিনমস্ভার- মৃক্ত শক্ষারাজকরাদাত সহলে বীশাবাদ জোশার জুলব্যুস্বস্থার

्र अभिकार मादिन अर्फान हाथियर (१) द्यागाम क्षार अञ्चला,(१) अवाम महत्राविशक (>) जमकाम मुकर नाम विक्नार (>) जनाव जाएकवायाजर जाएकवमार्गक कर द्वामार्गन क्षांतर (>>) । वदेवकावत्व पूर्ण । असरत वीवावास्य वीवावास्य कर्षात्वर (>) दकावास् क्रिवब्र वाक्षावरम्बर वर्गाठ छनाक्छर (२) भववन्नवात्र मध्येतास्वर (१) विमान बन शर बन शानकर (८) जा का दि। इत्रामा वा वश्य का गानिश्वर (८)। (५ जा -) के वा ।

विश्ली काखका।

मर्चात्र भूम्हज्र इनात्र काचिर यामरम भागमार आगगार अनकम्बिरकामकृत ভান্মতেশে বীপাবালং পাণিসং তুণস্থাং ভালুভায়ানন্দায় ভলক্ষ । ২০ ।

अर्थात्र शृक्ष्ण्ठम् ६ छोष मात्रोर (७) समाग्र कार्तिः कतनमीलः (१) सामान मानमार मानगः क्रम् त्रार्थः जनवाक्रिकार क्रियर (१) अभागार आमर-जातर (२) मनकर क्रियंश (>) चाकि (क्वानक शिमाक: (>>) अन जोत्रावरम क्रिय विग्नभी छ अकामरम सृत्य व्यागक्तक। क्षान्य राज्य नारमकान्य प्रमाद नियुष्टियु (यश्यका व्यागकाकान नमार्थः व्यक्ति । जात्रा । जात्र विकास का विकास का विकास का विकास का विकास का कि क क्रम्भः निकास्मिकास्मान्द्रकृष्यः। एटशस्ट्रेष्काम्ह्यो विक्रमानिकारक्षे ह भागमाक्षेत्रकृतः अक्र मृष्ट्र्रमांकर विक्रोह्य। यूर्ण श्राक्षाका अनामम अक्र मश्रीक्रम स्थापनाम । बीनावाक्त भागिक क्छकाननामकः ज्यन्याः छान छोन न्छाप्त भागकरक (७) बाबमासः ख्यावर 'वा वांक्शक्तरवाद' भक्तमः विश्मा खलर क्खानिखलर वांखि वाधमूबर एखि म-ख्यानखर्द्द्रेनाचनामकर (८)॥ (७०० २०क)।

अक विश्मी क विका ।

व्याप्त भी गानः अधिरेश शीर्षा अप नायहत हाला ग्राम विकास बिट्र पलिटिंग, युर्वाच वर्गाक्तर सकत्वाचार किम्ब्रिक हराभहन् किमानभाद्य एक्टर निर्वाक्षण, बाहैका क्रुक्तर निर्वाकर । ३३ ६



শার প্রতিষ্ঠিত বিষ্ণালি প্রতিষ্ঠিত প্রতিষ্

वाविर नी किछन।

আইপভানটো বিরাগানালভভেছভিনীইং চাভিত্রখং চাভিত

ভঙ্ত এভান বক্ষানাগানটো বিশ্বশান পরম্পার বিরুদ্ধরণান পশ্নালভতে। ভানার।
অভিনীর্থ অভিনুধ্য অভি সুলা আভকুলা অভিনুদ্ধ অভিনুদ্ধ অভিনুদ্ধ অভিনুদ্ধ ব্যান্তিভিছা লিটোর্মাণ লক্ষাল্যালিরেমাণ । তে অটো অশুদ্রা অপ্রায় অপ্রায় শ্রুপ্রাক্ষণাভিত্তিটো পলবে। তথা । তেইটার্থি প্রায়ালিরেমাণ । তে অটো অশুদ্রা অপ্রায়ালভত ইত্যুপক্ষা গুলু বিশ্বদ্রা তথা তথা । তথা আভিনিয়মাণপুর্বের আভিনুদ্ধর আভিনিয়মাণপুর্বের আভিনুদ্ধর আভিনিয়মাণপুর্বের আভিনুদ্ধর অভিনুদ্ধর আভিনুদ্ধর আভিনুদ্ধর

देखि मायुक्तिमीमामार याक्त्रपाम्मर विकास विश्वामार विश्वामा

खिनमहोनद्रक्टा (नक्ष्मोटल भरमाक्टक । खिर्म्मिनग्रोट्स क्षाक्षिणकाः लन्दर्भ नद्रस्थित ॥ ७० ॥